ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 342 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 जून 2026 बुधवार

आज का मौसम
37.0 अधिकतम
22.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

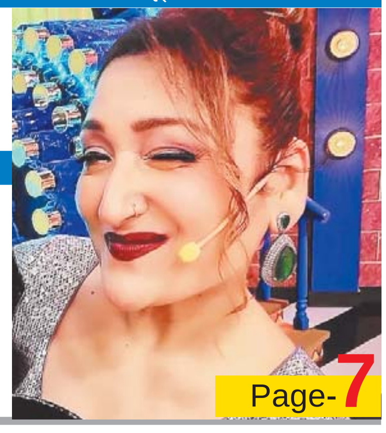

मेसी की वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक

» टूर्नामेंट की भी पहली तिकड़ी
सबसे ज्यादा गोल के रिकॉर्ड की बराबरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने आज फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपने करियर की पहली हैट्रिक लगा दी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक भी है। मेसी की यह हैट्रिक खास मौके पर आई है। उन्होंने आज ही के दिन 17 जून 2006 में फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला था।

38 साल के मेसी ने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे। वे 78 मिनट के गेम के बाद मैदान से बाहर चले गए। कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में मेसी के इस दमदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे के मुकाबले में अल्जीरिया को 3-0 से हराया। मेसी अब तक 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके हैं।

इस जीत से अर्जेंटीना ग्रुप-जे के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना अब 22 जून को अपने अगले ग्रुप मुकाबले में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा। वहीं, अल्जीरिया की टीम अपने अगले मैच में जॉर्डन से भिड़ेगी।

11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके लियोनेल

शिक्षा विभाग की संसदीय समिति नाराज... तमाम दावों के बाद भी हो रही है परीक्षाओं में गड़बड़ी

‘देशव्यापी ब्लैकलिस्ट’ बनाकर टाइमबाउंड एक्शन प्लान लेकर आए शिक्षा विभाग

एक राज्य में ब्लैकलिस्ट कंपनी दूसरे राज्य में ले लेती है ठेका

नईदिल्ली. एजेंसी

संसद की एक स्थायी समिति ने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बावजूद परीक्षा संबंधी अनियमितताएं जारी रहने पर चिंता जताई है और शिक्षा मंत्रालय से एक उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए समयबद्ध कार्य योजना की अनुशंसा की है।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति ने उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित वर्ष 2025-26 की अनुदान मांगों पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में की गई सिफारिशों पर कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन को सौंप दी है। समिति ने पाया है कि पेपर सेटिंग और मूल्यांकन से जुड़ी कई एजेंसियों को एक जगह ब्लैकलिस्ट किए जाने के बावजूद, वे अन्य संस्थानों में ठेके हासिल करने में

सफल हो रही हैं। इससे बचने के लिए एक ‘देशव्यापी ब्लैकलिस्ट’ बनाने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय से उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए जल्द से जल्द सार्वजनिक रूप से एक समय-सीमा वाला (टाइमबाउंड) रोडमैप जारी करने को कहा गया है। समिति ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के भारी वित्तीय मुनाफे (पिछले 6 वर्षों में लगभग 448 करोड़ रुपये) पर ध्यान दिलाते हुए सुझाव दिया है कि इस कोष का उपयोग संस्था की क्षमताओं को मजबूत करने और वेंडर्स की निगरानी के लिए किया जाना चाहिए। परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए समिति ने सुरक्षा उपायों को और अधिक सख्त बनाने की सिफारिश की है।

सीयूईटी की स्थिति पर भी चिंता

संसदीय समिति ने कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) को लेकर भी चिंता जताई है। समिति का मानना है कि बहुविकल्पीय प्रश्न आधारित प्रारूप मानविकी और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों के लिए पूरी तरह उपयुक्त नहीं हो सकता। रिपोर्ट में कहा गया कि समिति के कुछ सदस्य स्नातक प्रवेश के लिए सीयूईटी को सार्वभौमिक माध्यम बनाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। समिति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप सीयूईटी के प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता और परीक्षा डिजाइन की व्यापक समीक्षा करने की सिफारिश की है।

टेलीग्राम पर पाबंदी का मामला पहुंचा दिल्ली हाई कोर्ट, आज ही होगी सुनवाई

नीट-यूजी की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा से पहले अपने प्लेटफॉर्म पर अस्थायी रोक लगाने के केंद्र सरकार के निर्णय के विरुद्ध टेलीग्राम ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख़ किया है। हाई कोर्ट इस मामले पर आज ही तत्काल सुनवाई करेगा।इस मामले का उल्लेख टेलीग्राम की तरफ से न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ के समक्ष किया गया था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा से जुड़े फ्रॉड और पेपर लीक के गलत प्रचार को रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा टेलीग्राम पर कुछ समय के लिए प्रतिबंध लगाना पड़ा है।

न्यूज विंडो

सिंगर सोनू निगम की गर्दन की नसें दबी, गला हुआ भारी

मुंबई। सोनू निगम इन दिनों नसों से जुड़ी बीमारी का सामना कर रहे हैं। इस वजह से उन्हें कड़े मेडिकल सुपरविजन और इलाज से गुजरना पड़ रहा है। सोनू ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए इस हालिया हेल्थ स्केयर का खुलासा किया। वीडियो में

उनके कंधे पर एक मेडिकल पैच साफ देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुझे काफी भारी मात्रा में दवाइयां लेनी पड़ रही हैं। फिजियोथेरेपी बहुत दर्दनाक थी। मैं अभी दर्द की दवाइयां ले रहा हूं, उसकी वजह से गला भी थोड़ा भारी है।

वडोदरा हादसा: ट्रक में जा घुसी बस; 6 यात्रियों की मौत

वडोदरा। वडोदरा-जरोद रोड पर आज सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। कोटंबी गांव के पास हाईवे पर एक लक्जरी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार करीब 31 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हाईवे से गुजर रही एक लक्जरी बस अचानक आगे चल रहे एक ट्रक के पिछले हिस्से में बेहद तेजी से जा घुसी।

कर्नाटक में अधिकारियों के 35 ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरू। कर्नाटक लोकायुक्त ने 8 अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामलों में 35 जगहों पर छापेमारी की और 31 करोड़ से ज़्यादा की संपत्ति का पता लगाया है। 31.11 करोड़ से ज़्यादा की चल-अचल संपत्तियां मिलीं। इनमें रिहायशी घर, ज़मीन के प्लॉट, खेती की ज़मीन, कमर्शियल प्रॉपर्टी, नकद, सोने-चांदी के गहने आदि शामिल हैं।

आज का कार्टून

रांची के आरएसएस दफ्तर पर फेंके पेट्रोल बम

रांची, एजेंसी

झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने की खबर है। हालांकि, इस घटना में किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रांची पुलिस के अनुसार, अज्ञात लोगों ने आरएसएस कार्यालय को निशाना बनाते हुए पेट्रोल बम फेंके। समय रहते स्थिति नियंत्रण में रहने के कारण कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि सुबह करीब दो व्यक्तियों ने आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंके। उनके अनुसार, आरोपी एक कार से आए थे और उनके साथ मोटरसाइकिल सवार लोग भी मौजूद थे।

मिडिल ईस्ट और तेल खरीदी पर मोदी-ट्रम्प के बीच आज चर्चा

जी-7 समिट के आउचरीच सेशन में मोदी-ट्रम्प की मुलाकात हुई।

जिनेवा.एजेंसी

जी 7 शिखर सम्मेलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच आज द्विपक्षीय बैठक होने जा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति, होर्मुज स्ट्रेट और अमेरिका से ऊर्जा आयात जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, भारत और अमेरिका दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी को लेकर उत्सुक हैं और दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हो सकती है।

प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भी अंतिम चरण में है। वार्ताएं लगातार आगे बढ़ रही हैं और आने वाले कुछ सप्ताह में इस समझौते पर काम पूरा होने की उम्मीद है। दोनों देशों ने लगभग एक वर्ष तक चली बातचीत के बाद फरवरी में एक अंतरिम व्यापार समझौता किया था। व्हाइट हाउस ने भी पुष्टि की है कि पीएम मोदी और ट्रम्प की बैठक में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा।

उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट में भारतीयों की मौत का मुद्दा उठाया था। आउटरीच सेशन में मोदी ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट में कई भारतीय नागरिकों ने भी अपनी जान गंवाई है। वैश्विक समुद्री व्यापार के जरिए देशों को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ : रेत खनन विवाद में बीजेपी नेता को कार में जलाकर मार डाला

कोरिया.एजेंसी

छत्तसीगढ़ के कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी से लगे नवगई में मंगलवार देर रात रेत के अवैध कारोबार को लेकर हुई रंजिश ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। लगभग 30 लोगों की भीड़ ने फॉर्च्यूनर सवार भाजपा नेता और सोनहत जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले टिपर से कई बार टक्कर मारकर फॉर्च्यूनर के दरवाजे जाम कर दिए, फिर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग की लपटों में घिरने से फॉर्च्यूनर में सवार भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव पूरी तरह जलकर खाक हो गया। वाहन का शीशा तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश कर रहे उनके तीन समर्थक भी बुरी तरह झुलस गए। हमलावरों ने बाहर निकल रहे लोगों से भी बेरहमी से मारपीट की। 40 से 60 फीसदी तक झुलसे घायलों को पहले बैकुंठपुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में अंबिकापुर फिर रायपुर शिफ्ट किया गया है।

रिपोर्ट : और भी ताकतवर हुआ ईरान जब चाहे होर्मुज स्ट्रेट बंद कर सकता है

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-ईरान समझौते के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने नई चेतावनी दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, जंग के बाद ईरान पहले से ज्यादा ताकतवर हो गया है। खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि अब ईरान जब चाहे होर्मुज को बंद कर सकता है। युद्ध के बाद ईरान के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की एक और नई ताकतवर क्षमता आ गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान के पास ऐसा हथियार मिल गया है जो परमाणु बम से ज्यादा असरदार है। अगर परमाणु बातचीत टूटती है, तो यमन के हूती विद्रोहियों के जरिए बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में भी संकट पैदा कर सकता है। ऐसे में दुनिया के दो बड़े समुद्री व्यापार मार्ग एक साथ प्रभावित हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 14 प्वाइंट का दस्तावेज है जिसमें युद्ध समाप्त करने, होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू करने, ईरान पर लगे प्रतिबंधों में राहत, तेल निर्यात जारी रखने की अनुमति, जमे हुए ईरानी फंड जारी करने और ईरान के आर्थिक पुनर्निर्माण के लिए बड़े निवेश की व्यवस्था जैसे प्रावधान शामिल हैं।

मेट्रो एंकर | आदिवासी अंचल के चेतन ने बिना कोचिंग लिए ऑनलाइन पढ़ाई से पाई सफलता

बकरियां चराईं, 12वीं में फेल हुआ...अब आईआईटी खड़कपुर का छात्र

बड़वानी. एजेंसी

आदिवासी जिले बड़वानी के एक दूरस्थ आदिवासी गांव के स्टूडेंट ने जहां चाह वहां राह की कहावत को सच साबित कर दिखाया है। 12वीं कक्षा में फेल होने के बाद जिस छात्र ने खुद को कमरे में बंद कर लिया था, वही आज देश के प्रतिष्ठित आईआईटी खड़गपुर में प्रवेश पाकर हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर वरला तहसील के खुटवाड़ी गांव निवासी चेतन सोलंकी ने जेईई एडवांस्ड परीक्षा में अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में 1309वीं रैंक हासिल कर आईआईटी खड़गपुर के एग्रीकल्चरल एंड फूड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम

में प्रवेश प्राप्त किया है। चेतन की यह सफलता सामान्य नहीं है। कुछ वर्ष पहले वह इंदौर जिले के बेटमा स्थित श्रमोदय आवासीय विद्यालय में पढ़ाई के दौरान 12वीं कक्षा में असफल हो गया था। यह असफलता उसके लिए बड़ा मानसिक झटका साबित हुई। परिवार के अनुसार वह गांव लौट आया और खुद को लगभग एक कमरे तक सीमित कर लिया। लेकिन उसने हार मानने के बजाय ऑनलाइन पढ़ाई को अपना हथियार बनाया। चेतन के चाचा ओंकार सोलंकी बताते हैं कि फेल होने के बाद पूरा परिवार उसके साथ खड़ा रहा। उन्होंने उस पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाया। परिवार ने उसे समझाया कि यदि आईआईटी नहीं भी निकला तो खेती और अन्य कार्यों में उसका भविष्य सुरक्षित रहेगा। लेकिन चेतन ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से सबकी सोच बदल दी।

आज पूरा गांव और क्षेत्र उसकी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है। चेतन खुद भी स्वीकार करता है कि उसे फिल्म 12th Fail से काफी प्रेरणा मिली और अब उसका पूरा ध्यान आईआईटी खड़गपुर में अपनी पढ़ाई पर केंद्रित है। एक समय 12वीं में फेल होने का दर्द था, आज आईआईटी खड़गपुर में प्रवेश का गौरव है। चेतन सोलंकी की कहानी साबित करती है कि हार मान लेना ही असली हार है।

खेती में नवाचार की है इच्छा

दूरस्थ आदिवासी क्षेत्र में इंटरनेट और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की चुनौतियों के बावजूद चेतन ने बिना किसी कोचिंग संस्थान की मदद लिए जेईई जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी की। पढ़ाई के साथ-साथ वह जरूरत पड़ने पर अपने पिता कमल सोलंकी के साथ खेतों में भी हाथ बंटाता रहा। किसान परिवार से आने वाले चेतन ने इंजीनियरिंग की अन्य शाखाओं के बजाय कृषि अभियांत्रिकी को चुना। उसका मानना है कि उसकी शिक्षा का लाभ सीधे किसानों और खेती-किसानी को मिलना चाहिए। वह भविष्य में आईएएस अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ तो कृषि क्षेत्र में नवाचार और विकास के लिए काम करेगा।

एमपी एटीएस का बड़ा खुलासा...

देश के कई राज्यों में फैला पाक हैंडलर का जाल, गरीब युवक थे निशाने पर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) अभी तक देश विरोधी गतिविधियों के मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर चुका है। एटीएस द्वारा इनसे पूछताछ में कई नई जानकारियां सामने आ रही हैं। मुख्य बात यह कि सभी आरोपित एक ही पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर अपने-अपने प्रदेश में गतिविधियां करते थे। तरह-तरह के तरीके से अपना नेटवर्क बढ़ाने में लगे हुए थे। गरीब अविवाहित युवकों को जोड़ने का काम कर रहे थे।

देशभर में फैला नेटवर्क और फंडिंग की जांच

एटीएस सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी हैंडलर ने संभवतः सभी राज्यों में अपना नेटवर्क तैयार कर लिया है। हर जगह उनके एक या दो लोग हो सकते हैं। अभी तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार से आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। इनसे पूछताछ के आधार पर एटीएस आगे काम करेगी। पाक हैंडलर के बारे में भी एटीएस जानकारी जुटा रही है। यह भी देखा जा रहा है कि उसे फंडिंग कहां से होती थी, वह किसी बड़े आतंकवादी संगठन से जुड़ा है या नहीं।

आरोपितों की कोर्ट में पेशी और पुलिस रिमांड

उधर, इस मामले में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार नईम अब्दुल्ला की पुलिस हिरासत की अवधि न्यायालय के आदेश से 20 जून कर दी गई है, जबकि भोपाल से गिरफ्तार फराज को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। मधुबनी से गिरफ्तार इजहार उल हक को एटीएस मंगलवार तक लेकर पहुंचेगी। पुलिस अलवर से गिरफ्तार किए गए शाकिर मेव, नईम और इजहार उल हक को एक साथ बैठाकर पूछताछ करेगी। बताया जा रहा है कि आरोपितों को प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान भेजने की तैयारी थी।

फराज जेल गया, नईम 20 तक रिमांड पर, देवबंद जाएगी एटीएस

एटीएस की कार्रवाई में आतंकी साजिश से जुड़े दो आरोपियों को मंगलवार को विशेष न्यायाधीश डॉ. मुकेश मलिक की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने भोपाल के कांग्रेस नगर निवासी मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्लाह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया, जबकि आरोपी नईम अब्दुल्ला की रिमांड 4 दिन और बढ़ाकर 20 जून 2026 तक एटीएस को सौंप दी।

एटीएस ने कोर्ट को बताया कि नईम की कॉल डिटेल निकालने पर कई नंबर सामने आए हैं, जो उसके गांव देवबंद के हैं। इन लोगों से पूछताछ और कॉल रिकॉर्ड की जांच के लिए एटीएस की टीम देवबंद जाएगी। एजेंसी को आशंका है कि कॉल डिटेल में शामिल कुछ लोग संदिग्ध हो सकते हैं। एटीएस का कहना है कि नईम से पूछताछ के आधार पर इन संपर्कों की भूमिका की भी जांच की जानी है। इसी आधार पर कोर्ट से अतिरिक्त रिमांड मांगी गई थी। जांच एजेंसी के अनुसार नईम पिछले पांच वर्षों से पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में था। नईम उत्तर प्रदेश के देवबंद का रहने वाला है। एटीएस ने आरोपी मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्लाह और नईम अब्दुल्ला को कोर्ट में पेश किया था।

यूपी के देवबंद और हरियाणा के नूंह तक फैले थे तार: काउंटर टेररिस्ट ग्रुप की टीम कोर्ट लेकर पहुंची - मंगलवार को दोनों आरोपी फराज और नईम को कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उनको लेकर एटीएस के अधिकारी और काउंटर टेररिस्ट ग्रुप (सीटीजी) पहुंची थी। सीटीजी के करीब 5 जवान दोनों आरोपियों को घेर कर कोर्टरूम के बाहर खड़े थे।

नईम के लिए लीगल एड से वकील नियुक्त: नईम अब्दुल्ला को 13 जून को भोपाल कोर्ट में पेश किए जाने के दौरान उसके पास निजी वकील नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने लीगल एड डिफेंस से एडवोकेट मुकेश गौर को नियुक्त किया। एटीएस ने 13 जून को नईम को तीन दिन की रिमांड पर लिया था। पूछताछ अधूरी रहने के कारण एजेंसी ने चार दिन की अतिरिक्त रिमांड मांगी थी। एमपी एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने भोपाल के कांग्रेस नगर निवासी मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्लाह को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में था और उसे टारगेट किलिंग, हथियार रखने की तैयारी तथा प्रतिबंधित संगठनों के एजेंडे को आगे बढ़ाने संबंधी संदेश मिलते थे।

स्कूल चले अभियान का शुभारंभ...

तिलक लगाकर बच्चों का किया स्वागत

भोपाल। राजधानी के शासकीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र के साथ स्कूल चले हम अभियान का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। विद्यालयों में शिक्षकों ने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर स्कूल परिसर बच्चों की खुशियों और उत्साह से सराबोर नजर आया। अभियान के तहत विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों का विशेष स्वागत किया गया। शिक्षकों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व की जानकारी देते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। कई स्कूलों में स्वागत कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं। शिक्षकों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा ड्रॉपआउट दर को कम करना है। इसके लिए घर-घर संपर्क कर अभिभावकों को भी बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि नए सत्र में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कक्षाओं की साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों का इस तरह सम्मानपूर्वक स्वागत करने से उनमें विद्यालय के प्रति लगाव बढ़ता है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनता है। नए सत्र के पहले दिन विद्यालयों में बच्चों की चहल-पहल देखने को मिली। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने तथा हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने का संकल्प लिया। प्रशासन को उम्मीद है कि इस अभियान से जिले में नामांकन बढ़ेगा और शिक्षा का स्तर और अधिक मजबूत होगा।

पूज्य सिंधी पंचायत चुनाव

मतदाता सूची में सुधार का अंतिम मौका आज और कल

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव प्रक्रिया चल रही हैं। मतदाता सूची में नाम जांचने और सुधार का मौका 17 और 18 जून को है। चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी ने बताया कि 21 जून 2026 को होने वाले चुनाव के लिए सदस्य सूची में नाम देखने और आवश्यक सुधार करवाने का कार्य 17 जून और 18 जून को किया जाएगा। सभी सदस्य इन दोनों दिन प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आकर सूची में अपना नाम देख सकते हैं और यदि कोई त्रुटि हो, तो उसमें सुधार करवा सकते हैं। 18 जून दोपहर 1 बजे के बाद पंचायत के सदस्यों की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद सूची में किसी भी प्रकार का सुधार या बदलाव संभव नहीं होगा। मतदान के दिन केवल इसी अंतिम सूची के आधार पर ही सदस्यों को वोट डालने का अधिकार दिया जाएगा। चेलानी ने चुनावी स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पूज्य सिंधी पंचायत के इस त्रिवार्षिक चुनाव के लिए कुल 23 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन फॉर्म जमा किए हैं। नाम वापसी की प्रक्रिया के तहत 16 जून 2026 तक किसी भी प्रत्याशी द्वारा अपना फॉर्म वापस नहीं लिया गया है।

हद से जो बढ़ा प्यार तो ऊंचाई देखिए, राधा मैं बन गई तुझे घनश्याम लिखा है...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मैंने तेरा नाम सुबह शाम लिखा है, हर सफ तेरे नाम को प्रणाम लिखा है,हद से जो बढ़ा प्यार तो ऊंचाई देखिये, राधा मैं बन गई तुझे घनश्याम लिखा है। यह काव्य पंक्तियां जैसे ही सुपरिचित कवियत्री नम्रता नमिता ने प्रस्तुत की तो सभागार तालियों से गूंज उठा। यह अवसर था पंडित रामगोपाल चौबे के सम्मान आयोजित सरस काव्य संध्या का। इस काव्य संध्या में कवि मुकेश मासूम की पंक्तियां थी- कन्या राशि वाले कुंवारे घूम रहे हैं मित्र। व्यंग्यकार कवि घनश्याम मैथिल अमृत की व्यंग्य क्षणिकाएं भी खूब सराही गईं - चाहे भले पढ़ो वेद ना, हो सके तो हरो लोगों की वेदना। युवा रचनाकार शुभांगी राज सरल ने भी खूब वाहवाही लूटी मैं चंदा और सितारों पर अपनी शाम लिख दूंगी। सजल श्रीवास्तव ने एक प्रेम गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का हृदय जीत लिया - रातों को जागूं और सोचूं तुझे। ओज और वीर रस के कवि अभिषेक अरजरिया की पंक्तियां थीं - बेटा राजा बाबू है तो बिटिया राजदुलारी है। संगीता सरल ने पढ़ा -मुस्कुराओ तो बात बन जाए, दिल लगाओ तो बात बन जाए। गजलकार के . कांत ने पढ़ा - कौन किसको कब मिलेगा जानता कोई नहीं। वरिष्ठ कवि विमल भंडारी भी खूब सराहे गए - झरनों को पत्थर से मिलकर कल -कल स्वर में गाने दो। राजेंद्र चौहान ने हास्य -व्यंग कविता पढ़ते हुए कहा - पत्नी कपड़े धोने से पहले हमें धोती है। अंत में पंडित रामगोपाल चौबे ने अपनी काव्य पंक्तियों के साथ काव्य संध्या का समापन किया।

सरस काव्य संध्या का आयोजन

प्रवेश : 10 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन होंगे

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की प्रवेश प्रक्रिया अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। ऐसे अभ्यर्थी जो अभी तक फॉर्म नहीं भर सके थे वे 10 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि ऑनलाइन आवेदन केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा एम.पी.ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा यह कदम विद्यार्थियों की सुविधा और अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

15 साल से प्लॉट के इंतजार में रहवासी लाखों देने के बाद भी नहीं मिली जमीन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रोहित हाउसिंग सोसायटी के करीब 300 सदस्य पिछले करीब 15 सालों से अपनी ही जमीन की रजिस्ट्री और प्लॉट आवंटन के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं।सोसायटी ने उनसे पहले सदस्यता शुल्क और बाद में विकास शुल्क के नाम पर लाखों रुपए जमा कराए, लेकिन आज तक प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं की गई।

पीड़ित मंजू पाठक ने बताया कि सोसायटी ने बहुत सी जमीनें नए लोगों को बेच दीं, पर पुराने सदस्यों को जमीन नहीं दी गई है। मंगलवार को यह मामला एक बार फिर जनसुनवाई में उठा। पीड़ित सदस्यों ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन देकर मांग की है कि उपलब्ध भूमि का सत्यापन कराया जाए और जमा राशि तथा वरिष्ठता के आधार पर पात्र सदस्यों को प्लॉट अथवा रजिस्ट्री दी जाए। एडीएम सुमित पांडेय ने सीमांक का आश्वान दिया है। सोसायटी के सदस्य अजय सक्सेना ने बताया कि 2012 में कलेक्ट्रेट स्तर पर हुई बैठक के बाद सदस्यों से अतिरिक्त राशि जमा कराई गई थी। जब सोसायटी सबको घर नहीं दिला पाई तो सहकारिता विभाग ने सोसायटी को अपने अधीन ले लिया और 2016 में वहां सरकारी प्रशासक नियुक्त कर दिया। सहकारिता विभाग के अधीन आने के बाद भी सदस्यों को जमीन नहीं मिली है। सदस्य भटक रहे हैं। कई सदस्य बुजुर्ग हो चुके हैं, कुछ की मौत भी हो गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। सदस्य अजय सक्सेना के मुताबिक सोसायटी ने 2011-12 में विकास शुल्क के नाम पर सदस्यों से 3.45 लाख रुपए से लेकर 4.5 लाख रुपए तक जमा कराए। सदस्यों को बताया गया कि विकास कार्यों के बाद प्लॉट की रजिस्ट्री कर दी जाएगी। कई परिवारों ने पूरी राशि जमा कर दी, लेकिन बाद में उन्हें प्लॉट नहीं मिले।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई सुनवाई में बताई अपनी पीड़ा

गिरिबाला की न्यायालय से गुहार, अधिवक्ताओं से चर्चा के लिए दिया जा रहा है कम समय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की खुदकुशी मामले में गिरफ्तार पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की न्यायिक अभिरक्षा बढ़ा दी गई है। मां-बेटे को दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में गिरफ्तार करने के बाद 2 जून को जेल भेजा गया था। मां-बेटे की पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कराई गई। इस दौरान अपनी तरफ से पूर्व न्यायाधीश ने अपनी पीड़ा न्यायालय के सामने रखी।

पूर्व न्यायाधीश ने बताया कि उन्हें जेल में जो भी समाचार पत्र दिए जा रहे हैं उनमें प्रकाशित उनसे जुड़े समाचार को काटकर दिया जाता है। इसके अलावा उनके अधिवक्ता से मुलाकात का समय 20 मिनट से ज्यादा किया जाए। इस दौरान बेटा भी उनके साथ रहे। ताकि वे अपनी कानूनी रणनीति पर मंथन कर सके। उनकी तरफ से अदालत को बताया गया कि ट्विशा के परिजन लगातार मीडिया से बातचीत कर रहे हैं। जबकि सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से इस पर रोक है। ट्विशा की दवाईयां जब्ती से संबंधित दस्तावेज भी मुहैया नहीं कराने को लेकर उनकी तरफ से आपत्ति जताई गई। इधर, सीबीआई से ट्विशा की दूसरी पीएम रिपोर्ट को लेकर भी बहस हुई। जिसमें सीबीआई ने बताया कि उन्हें अभी तक दोबारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली हैं। बता दें कटारा हिल्स इलाके में 12 मई को ट्विशा शर्मा ने फांसी लगाई थी। उसके शव को सास और पति भोपाल एम्स फंदे से उतारकर ले गए थे। इस मामले में तमाम विरोध-प्रदर्शन के बाद 15 मार्च को कटारा हिल्स पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था।

जाली प्रविष्टी से हड़प लिए लेखा अधिकारी ने चार लाख

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बंसल समूह के एक लेखा अधिकारी पर जालसाजी करने के आरोप लगे हैं। इस संबंध में समूह के वित्त महाप्रबंधक ने प्रमाणों के साथ अशोका गार्डन थाने में आवेदन दिया था। जिसकी जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। प्राथमिक विवेचना में अभी तक नकदी चार लाख रुपए से ज्यादा की वित्तीय अनियमितता सामने आई है।

पुलिस के अनुसार गिरधर परिसर, कोलार रोड क्षेत्र में रहने वाले 63 वर्षीय प्रेमेंद्र पिता स्व. ज्ञानेंद्र बहादुर बंसल समूह में महाप्रबंधक वित्त हैं। समूह का औद्योगिक क्षेत्र बी-सेक्टर में गोदाम हैं। यहां कंपनी के लेखा अधिकारी के रूप में चौकसे नगर निवासी आबिद अहमद सिद्दीकी पिता इरशाद अली पदस्थ था। आबिद अहमद सिद्दीकी ने मार्च, 2026 में न्यू भारत मार्ट के नकद मिले 49,740 रुपए में से 49 हजार रुपए में बैंक में जमा करना दिखाया था। लेकिन, अंकेक्षण में पता चला कि प्रविष्टि तो थी लेकिन उसकी जानकारियां गायब थी। इसी तरह सनी किराना की तरफ से मार्च, 2026 को 68,700 रुपए में से सिर्फ 700 रुपए लिखकर 50 हजार रुपए बैंक में चेक से जमा कराना दर्शाया। इन्हीं दोनों निजी कंपनियों से मिली दो अन्य प्रविष्टियों में भी इसी तरह का फर्जीवाड़ा किया था।

जयपुर-भोपाल एक्स. खातीपुरा तक जाएगी

भोपाल। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेलवे की संचालित ट्रेन 19711/19712 जयपुर-भोपाल एक्सप्रेस का विस्तार अब खातीपुरा स्टेशन तक करने का निर्णय लिया है। यह नई सुविधा 20 जून 2026 से यात्रियों को मिलेगी। हालांकि जयपुर और भोपाल के मध्य इस ट्रेन की वर्तमान समय-सारिणी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। ट्रेन 19711 खातीपुरा-भोपाल एक्सप्रेस अब 20 जून से प्रतिदिन खातीपुरा स्टेशन से 17.45 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गांधी नगर जयपुर स्टेशन पर 17.48/17.51 बजे, जयपुर स्टेशन पर 18.10/18.20 बजे रुकते हुए निर्धारित मार्ग से होकर अगले दिन 11.20 बजे भोपाल पहुंचेगी।

मेट्रो एंकर सुविधाजनक काउंटर... दो माह में 18.81 लाख यात्रियों ने आरक्षित टिकटों का लिया लाभ

52.26 लाख यात्रियों ने जनरल टिकट से किया सफर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नए वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो माह में पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में 71. 07 लाख यात्रियों ने यात्रा के लिए टिकट खरीदकर रिकार्ड बनाया है। इस दौरान 52.26 लाख जनरल एवं 18.81 लाख आरक्षित टिकट पर यात्रियों ने सफर किया है। भोपाल रेल मंडल में यात्रियों को भारत के चारों कोनों को जाने के लिए ट्रेनों की सबसे बेहतर सुविधा है। भोपाल मंडल ने भी टिकट के लिए अतिसुविधाजनक काउंटर के अलावा आईआरसीटीसी और रेलवे ऐप की सुविधा दी है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारी भी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल एवं मई में मंडल में कुल 71.07 लाख यात्रियों ने अनारक्षित एवं आरक्षित टिकटों की बुकिंग की, जिससे कुल 177.38 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ। डीआरएम त्यागी ने इस उपलब्धि के लिए रेलवे के बुकिंग स्टॉफ की सराहना की है।

रेलवे को मिला 62.22 करोड़ राजस्व... अप्रैल में 25.81 लाख यात्रियों ने जनरल टिकटों से बुकिंग की, जिससे 25.26 करोड़ का राजस्व मिला। वही मई में 26.45 लाख यात्रियों ने जनरल टिकटों की बुकिंग कर 27.27 करोड़ रूपये का राजस्व दिलाया। इसी प्रकार अप्रैल में 9.29 लाख यात्रियों ने आरक्षित टिकटों की बुकिंग की, जिससे 62.22 करोड़ रूपये का राजस्व एवं मई माह में 9.52 लाख यात्रियों ने आरक्षित टिकटों की बुकिंग की जिससे 62.64 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ। - पमरे वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, हमारे कर्मचारी टीम भावना से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। आने वाले दिनों में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भोपाल मण्डल रेल प्रशासन उपभोक्ताओं को शिकायत रहित सेवा प्रदान करने संकल्पित है। वही रेल राजस्व बढ़ाने के लिए सतत प्रयत्नशील है। वर्तमान में यात्रा को बढ़ावा देने के लिए रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग पर प्रयोगिक तौर पर 3 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है।

पंचतीर्थ यात्रियों का आत्मीय स्वागत संस्कृति और श्रद्धा का अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में पंजाब से आए पंचतीर्थ यात्रा के श्रद्धालु यात्रियों का आत्मीय स्वागत कर भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को सशक्त का संदेश दिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक आस्था का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण सेतु हैं। श्रद्धा, सेवा और सद्भाव से परिपूर्ण यह स्वागत समारोह मध्यप्रदेश की अतिथि देवो भवः की गौरवशाली परंपरा का दाहरण बना।

श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: प्रहलाद पटेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रमिक कल्याण से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने यह निर्देश मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल तथा मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। नई श्रम संहिताएं श्रमिकों को नया संरक्षण प्रदान करते हुए उनके कल्याण के लिए संचालित व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप श्रम कल्याण संबंधी प्रावधानों को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जाए, जिससे कर्मचारी और नियोक्ता के मध्य बेहतर संबंध स्थापित हों और औद्योगिक विकास को गति मिले।

सीएम से भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल की मुलाकात के बाद आदेश जारी

किसानों को ट्रेक्टर में ही डीजल देने की बाध्यता हटाई, समस्याओं पर भी मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय किसान संघ प्रदेश किसान मंच के बीच मुख्यमंत्री निवास में एक बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश के किसानों की समस्याओं को लेकर 41 बिंदुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए ट्रैक्टर में ही डीजल देने की अनिवार्य बाध्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश अधिकारियों को जारी कर दिए हैं।

अब किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कुप्पे में भी आसानी से डीजल मिल सकेगा। बैठक में भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री द्वारा भू-अधिग्रहण कानून के तहत 4 गुना मुआवजा अधिनियम को कैबिनेट में पास कराने के ऐतिहासिक फैसले की सराहना की और इसके लिए मुख्यमंत्री का विशेष आभार जताते हुए उन्हें बधाई दी।

उपार्जन, भुगतान और खाद वितरण पर बनी सहमति

बैठक के दौरान ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की गिरदावरी पंजीयन की तिथि बढ़ाने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अविलम्ब उपार्जन शुरू करने की मांग रखी गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने चना, मसूर, दलहन और गेहूं की सरकारी खरीदी के बाद प्रदेश के जिन किसानों का भुगतान अभी तक अटका हुआ है, उन्हें तत्काल राशि जारी करने के निर्देश दिए हैं। खाद वितरण व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई, जिसमें ई-टोकन प्रणाली को और सरल बनाने तथा किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की बात कही गई।

बिजली सुधार और जल संरक्षण पर रहेगा फोकस

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली संकट और अधोसंरचना को दुरुस्त करने के लिए बैठक में ओवरलोड ट्रांसफार्मर और सबस्टेशनों में अधिक क्षमता वाले पीटीआर व 5 MVA की भार वृद्धि करने की मांग को स्वीकार किया गया। साथ ही बिजली कंपनियों के हर स्तर पर फोरम का गठन करने और बरसों पुराने जर्जर तारों को बदलने पर सहमति बनी। जल संरक्षण की दिशा में एक बेहतरीन सुझाव देते हुए नहरों को तालाबों से जोड़ने की रणनीति पर भी बात हुई, ताकि वर्षा काल के अतिरिक्त पानी को सहेज कर भविष्य में सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सके।

बैठक में यह प्रमुख पदाधिकारी रहे मौजूद

इस उच्च स्तरीय बैठक में भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत, मालवा प्रांत और मध्यभारत प्रांत के शीर्ष पदाधिकारियों सहित क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह अंजना, प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर, मालवा प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल, महामंत्री रमेश दांगी, संगठन मंत्री अतुल महेश्वरी, मध्यभारत प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान उपस्थित रहे।

गेहूं उपार्जन में देश में नंबर-1

सरकार ने बताया कि इस बार प्रदेश में 9 अप्रैल से 28 मई के बीच गेहूं की रिकॉर्ड खरीदी हुई है। मध्यप्रदेश ने समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों से 104.36 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया है। किसान संख्या के मामले में मध्य प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर और कुल उपार्जन के मामले में पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। किसानों को 2585 रुपए समर्थन मूल्य और 40 रुपए बोनस मिलाकर कुल 2625 रुपए प्रति क्विंटल के मान से भुगतान की व्यवस्था की गई। प्रदेश के किसानों को अब तक 27 हजार 196.48 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। किसानों के लिए एक और बड़ी राहत की बात सामने आई है। सरकार ने फसल ऋण (लोन) अदायगी की अंतिम तिथि को 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई कर दिया था, जिसके लिए किसान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का आभार जताया।

हाईकोर्ट में पेश हुई ट्री ट्रांसलोकेशन पॉलिसी-2026

विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई पर लगेगी रोक एक पेड़ काटने पर लगाने होंगे 20 पौधे

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने विकास परियोजनाओं के दौरान पेड़ों की कटाई को कम करने के उद्देश्य से ट्री ट्रांसलोकेशन पॉलिसी-2026 का मसौदा तैयार किया है। मंगलवार को यह ड्राफ्ट हाई कोर्ट की डबल बेंच के समक्ष पेश किया गया। प्रस्तावित नीति के तहत सड़क, मेट्रो, रेलवे और फ्लाईओवर जैसी परियोजनाओं में पेड़ों को काटने के बजाय वैज्ञानिक तरीके से दूसरी जगह प्रत्यारोपित करने पर जोर दिया गया है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, ग्वालियर के थाटीपुर पुनर्विकास परियोजना के दौरान बड़ी संख्या में पेड़ों का प्रत्यारोपण किया गया था। बाद में पर्याप्त देखरेख नहीं होने से कई पेड़ नष्ट हो गए। इस मामले में हाई कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए सरकार से स्पष्ट नीति बनाने को कहा था।

हाई कोर्ट के निर्देश के बाद तैयार हुआ ड्राफ्ट- न्यायालय ने सरकार को निर्देश दिए थे कि पेड़ों के प्रत्यारोपण और कटाई से संबंधित कार्य वैज्ञानिक मानकों और स्पष्ट नीति के आधार पर किए जाएं। इसके बाद राज्य सरकार ने ट्री ट्रांसलोकेशन पॉलिसी का मसौदा तैयार किया।

पेड़ काटना नहीं होगा पहला विकल्प

प्रस्तावित नीति के अनुसार किसी भी निर्माण एजेंसी को यह साबित करना होगा कि परियोजना के डिजाइन में बदलाव कर पेड़ों को बचाने के सभी विकल्पों पर विचार किया गया है। यदि पेड़ों को हटाना अपरिहार्य हो, तो प्रभावित पेड़ों में से कम से कम 80 प्रतिशत का वैज्ञानिक तरीके से प्रत्यारोपण करना होगा।नीति में प्रत्यारोपित पेड़ों और उनके स्थान पर लगाए जाने वाले नए पौधों की जियो-टैगिंग का प्रावधान किया गया है। इसके लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा। डैशबोर्ड पर पेड़ों की लोकेशन, तस्वीरें और रखरखाव से जुड़ी जानकारी उपलब्ध रहेगी, जिससे निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी। ड्राफ्ट के अनुसार प्रत्यारोपित किए गए प्रत्येक पेड़ के बदले निर्धारित संख्या में नए पौधे लगाने होंगे। इन पौधों की निगरानी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी।

चित्रकूट के बाद नहीं हो सकी बैठक

मप्र में राम वन गमन पथ को नहीं मिली गति, दो साल से बैठक नहीं 10 वर्ष में विकसित करने का प्लान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में करीब 10 वर्ष से श्रीराम वन गमन पथ विकसित करने की तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ मोहन यादव ने इस पर तेजी से काम करने के लिए कहा था। उनकी अध्यक्षता में लगभग दो वर्ष पहले चित्रकूट में इसके लिए गठित न्यास की बैठक हुई, लेकिन उसके बाद आज तक कोई बैठक नहीं हुई। राम वन गमन पथ के स्थल चिह्नित करने का काम अंतिम चरण में है।

राज्य सरकार ने इस मामले के जानकार डॉ रामअवतार शर्मा को स्थल चिह्नित करने की जिम्मेदारी थी। उन्होंने अलग-अलग जिलों के स्थलों की सूची संस्कृति विभाग को सौंप दी है। अब विभाग ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों सत्यापन के लिए इसे भेजा है। प्रदेश में श्रीराम वन गमन पथ निर्माण पर 160 करोड़ रुपए के काम कराए जा रहे हैं। ओरछा में भगवान श्री राम राजा लोक एकदम नए स्वरूप में छह नई थीम पर तैयार किया जा रहा है।

इसी तरह से कृष्ण पाथेय बनाने के लिए करीब छह माह पहले न्यास तो गठित हो गया, लेकिन अभी तक एक भी बैठक नहीं हुई है। मुख्यमंत्री की तरफ से उज्जैन का प्रतिनिधिमंडल राजस्थान भेजा गया था, जिसने वहां कृष्ण पाथेय को लेकर कराए गए काम को देखा है।

प्रतिनिधिमंडल के सुझाव भी पाथेय बनाने में सम्मिलित किए जाएंगे। श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने के संबंध में अन्य राज्यों से समन्वय के लिए प्राधिकरण बनाने पर भी विचार चल रहा है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रस्तावित न्यास की बैठक होने पर स्थल चयन, प्राधिकरण गठन सहित कई कार्यों को गति मिल जाएगी।

पहले चरण में इन स्थलों को किया गया चिह्नित

सतना जिले के चित्रकूट में स्फटिक शिला, गुप्त गोदावरी, अत्रि आश्रम, शरभंग आश्रम, अश्वमुनि आश्रम, सिलहा गांव में सुतीक्ष्ण आश्रम, सिद्धा पहाड़, रक्सेला गांव में सीता रसोई और रामसेल। पन्ना में पहाड़ी खेरा गांव में बृहस्पति कुंड, सारंगधर गांव में सुतीक्ष्ण आश्रम, बड़े गांव में अग्निजिह्वा आश्रम और सलेहा में अगस्त्य आश्रम, मैहर जिले में राम जानकी मंदिर, कटनी जिले के भरभरा में शिव मंदिर, जबलपुर जिले में पिपरिया के पास रामघाट, नर्मदापुरम में पासी घाट और माच्छा के राम मंदिर, बालाघाट जिले में राम पायली, मंडला में सीता रपटन, उमरिया जिले में राम मंदिर दशरथ घाट और मार्कंडेय आश्रम, शहडोल के गंधिया और अनूपपुर के कनवाई में स्थित सीतामढ़ी।

एमपी कांग्रेस में एक्शन की तैयारी

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर घमासान, हाईकमान नाराज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह और गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद से पार्टी के भीतर भूचाल मचा हुआ है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जहां एक तरफ दिल्ली दरबार (हाईकमान) प्रदेश नेतृत्व से सख्त नाराज बताया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश संगठन अब सोशल मीडिया पर अपनी ही पार्टी को घेरने वाले नेताओं पर बड़ी कार्रवाई करने के मूड में है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के बाद से कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सीधे तौर पर प्रदेश नेतृत्व की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार लिखे जा रहे पोस्ट को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी लाइन से बाहर जाकर सार्वजनिक रूप से असंतोष जाहिर करने वाले और वरिष्ठ नेताओं पर उंगली उठाने वाले नेताओं की एक सूची तैयार की जा रही है। संगठन ऐसे लोगों के खिलाफ जल्द ही कड़ा अनुशासनात्मक एक्शन लेने की तैयारी में है।

कानूनी राय न लेने पर उठे सवाल

इस पूरे एपिसोड ने मध्य प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच समन्वय की कमी को उजागर कर दिया है। बताया जा रहा है कि नामांकन दाखिल करने के करीब चार दिन पहले ही उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी गई थी, इसके बावजूद पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने इस पर किसी विधि विशेषज्ञ से राय नहीं ली। इसी लापरवाही का नतीजा रहा कि तकनीकी कमियों के चलते नामांकन रद्द हो गया, जिससे पार्टी को ऐन वक्त पर एक मजबूत सीट पर बड़ा झटका लगा है। सूत्रों की मानें तो इस बड़ी चूक को लेकर कांग्रेस आलाकमान बेहद गंभीर है। दिल्ली नेतृत्व ने मौजूदा प्रदेश टीम की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है, जिसमें जीतू पटवारी (पीसीसी चीफ), हरीश चौधरी (प्रदेश प्रभारी), उमंग सिंघार (नेता प्रतिपक्ष) शामिल हैं। हाईकमान ने इस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द होने के पूरे घटनाक्रम की सिलसिलेवार समीक्षा की जाएगी और यह तय किया जाएगा कि इस बड़ी लापरवाही के लिए असल में कौन जिम्मेदार है।

रायसेन में 80 लाख की मूंग गायब, तीन पर एफआईआर

जांच में उजागर हुई गड़बड़ी

रायसेन, दोपहर मेट्रो

रायसेन के सर्वोदय वेयरहाउस से इस बार करीब 80 लाख रुपये कीमत की मूंग गायब होने का मामला है। प्रशासन की जांच में बड़ी लापरवाही और गड़बड़ी सामने आने के बाद वेयरहाउस की मालिक एकता जैन, अर्पित जैन और प्रबंधक अवधेश गौर पर सिलवानी थाने में केस दर्ज कर लिया गया है।

तीन जून को जब स्टॉक का मिलान किया गया तो वेयरहाउस से भारी मात्रा में मूंग गायब मिली। इसकी कीमत लगभग 80 लाख रुपये आंकी गई। किसानों और व्यापारियों की जमा पूंजी पर संकट देखकर हड़कंप मच गया। मामला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा तक पहुंचा। उन्होंने तुरंत अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय के नेतृत्व में जांच टीम गठित की।

जांच प्रतिवेदन कलेक्टर को सौंपा गया

अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय और उनकी टीम ने वेयरहाउस के दस्तावेज, एंट्री रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। किसानों के बयान भी दर्ज किए। जांच में पाया गया कि रिकॉर्ड और भौतिक स्टॉक में भारी अंतर है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी और प्रबंधन की लापरवाही साफ नजर आई। जांच प्रतिवेदन कलेक्टर को सौंपा गया। जांच रिपोर्ट में तीनों को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सख्त रुख अपनाया। उनके निर्देश पर बीती देर शाम सिलवानी थाने में वेयरहाउस मालिक एकता जैन, अर्पित जैन और प्रबंधक अवधेश गौर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं में केस कायम किया है।

मेट्रो एंकर

सरकार के नियमों को ठेंगा दिखा रहे बिल्डर

मध्य प्रदेश में बिना रेरा पंजीयन बिक रहीं प्रॉपर्टी

रेरा पंजीयन का उल्लेख विक्रय अनुबंध में अनिवार्य किया

नियमों को नजरअंदाज कर कॉलोनियां विकसित कर रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश ने एक फैसला किया। अब से बिल्डर को प्रापर्टी बेचने से पहले बताया होगा कि उसके पास भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) का पंजीयन है या नहीं। विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। जिस प्रापर्टी के विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नहीं है तो उप रजिस्ट्रार चाहे तो उस प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करने से मना कर सकेगा। लेकिन न तो उप रजिस्ट्रार इसमें रुचि दिखा रहे हैं और न ही कई बिल्डर रेरा पंजीयन बताते हैं।

परिणामस्वरूप अवैध कॉलोनियां लगातार बनती जा रही हैं। इसके पीछे सरकार की मंशा है कि बिना रेरा पंजीयन के भवन विकास या प्रापर्टी विकसित न हो। यह व्यवस्था इसलिए भी की गई है, जिससे बिल्डर उपभोक्ता को धोखे में रखकर प्रापर्टी न बेच सके, लेकिन बिल्डर व कॉलोनाइजर नियमों को ताक पर रखकर सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश में बहुत से बिल्डर रेरा में बिना पंजीयन कराए मनमाने ढंग से कॉलोनियां काटकर उपभोक्ताओं को धोखे में रखकर मकान बनाकर बेच देते हैं। उसके बाद में उपभोक्ता कई समस्याओं से जूझता है। उनकी शिकायत पर रेरा द्वारा रियल एस्टेट कारोबारियों पर शिकंजा कसते हुए जुर्माना लगाने का भी प्रविधान है, लेकिन रेरा को ठेंगा दिखाया जा रहा है। इधर, मध्य प्रदेश रेरा में अध्यक्ष का पद खाली रहने के कारण प्रोजेक्ट्स की मंजूरी और शिकायतों के निराकरण लंबे समय से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इसे लेकर सरकार को कड़ी चेतावनी दी थी कि जल्द नियुक्तियां करें, अन्यथा मुख्य सचिव को पेश होना पड़ेगा।

संस्था में कम हो रहे पंजीयन

उपभोक्ता के सामने अब भी विश्वास का संकट पांच वर्षों में वर्ष 2021-22 से अब तक 6323 आवेदन निराकरण के लिए रेरा के पास पहुंचे। इनमें से पंजीयन के लिए करीब आधे 3398 ही स्वीकृत हुए हैं। 981 को निरस्त कर 171 को वापस किया गया है। हर वर्ष 50 से 82 प्रतिशत तक आवेदन निराकृत हो रहे हैं, लेकिन इनमें देखने वाली बात यह है कि कम पंजीयन संख्या से स्पष्ट है कि बिल्डर और प्रमोटर अब भी मनमाने ढंग से ही भवनों का निर्माण कर रहे हैं। यानी उपभोक्ता के सामने अब भी विश्वास का संकट है। जबलपुर समेत इंदौर और ग्वालियर में रेरा का ब्रांच दफ्तर खोले जाने की मांग भी लंबे समय से की जा रही है, लेकिन इस दिशा में भी अब तक कोई निर्णय नहीं हो सका है।

दक्षिण की चौकड़ी

भारतीय राजनीति में शक्ति का प्रवाह हमेशा सीधा नहीं होता। वह नदियों की तरह अपना रास्ता स्वयं बनाता है। कभी वह दिल्ली की सत्ता गलियारों में सिमट जाता है, तो कभी दूर-दराज के प्रदेशों से उठी आवाजें राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बन जाती हैं। हाल के दिनों में दक्षिण भारत के चार प्रमुख राज्यों से उभरी राजनीतिक एकजुटता इसी परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण दस्तक प्रतीत होती है। यह केवल चार नेताओं का एक साथ किसी बैठक में प्रवेश करना नहीं था। यह उस विचार का सार्वजनिक प्रदर्शन था कि भारत का संघवाद अब नई शर्तों पर संवाद चाहता है। लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में दक्षिण भारत की आर्थिक उपलब्धियों और प्रशासनिक सफलताओं की चर्चा तो होती रही है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न पर उसकी चिंताओं को उतनी गंभीरता नहीं मिली। अब यह स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना ने बीते दशकों में विकास का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगिक विस्तार और मानव संसाधन निर्माण को प्राथमिकता दी गई। इन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण को भी राष्ट्रीय आवश्यकता मानकर स्वीकार किया। परिणामस्वरूप वे आज देश की आर्थिक संरचना के मजबूत स्तंभों में गिने जाते हैं। किंतु विडंबना यह है कि जिन नीतियों ने उन्हें विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचाया, वही भविष्य में उनके राजनीतिक प्रभाव को सीमित कर सकती हैं। परिसीमन को लेकर उठ रही बहस इसी विरोधाभास का परिणाम है। यदि प्रतिनिधित्व का आधार केवल जनसंख्या वृद्धि बनेगा, तो वे राज्य स्वयं को नुकसान की स्थिति में पाएंगे जिन्होंने विकास के साथ जनसंख्या संतुलन को भी साधा। प्रश्न केवल सीटों का नहीं है; प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र में योगदान और उत्तरदायित्व का भी कोई मूल्यांकन होना चाहिए? दक्षिण की यह नई राजनीतिक धुरी इसी प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला रही है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके घटक केवल चुनावी मजबूरी से नहीं जुड़े हैं। इनके पास साझा आर्थिक हित, संवैधानिक चिंताएं और संघीय ढांचे को लेकर समान दृष्टिकोण मौजूद है। यही कारण है कि यह गठजोड़ पारंपरिक विपक्षी प्रयोगों से अलग दिखाई देता है। फिर भी इतिहास सावधान करता है। भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय गठबंधन अक्सर महत्वाकांक्षाओं, नेतृत्व संघर्षों और परस्पर विरोधी हितों के बोझ तले बिखरते रहे हैं।

352वीं पुण्यतिथि पर विशेष

राजमाता जीजाबाई : हिंदवी स्वराज्य की प्रथम प्रेरक और राष्ट्रचेतना की संवाहिका

गिरीश जोशी
स्तंभकार

लखुजी जाधवराव तत्कालीन दक्कन के प्रमुख मराठा सरदारों में गिने जाते थे उनके यहाँ जीजाबाई का जन्म लगभग 1598 ई. में सिंदखेड़ में हुआ था। 17वीं शताब्दी का दक्कन राजनीतिक अस्थिरता से भरा हुआ था। मुगल साम्राज्य दक्षिण की ओर विस्तार कर रहा था। लखुजी, निजामशाह के विश्वसनीय सरदार थे। जीजाबाई का विवाह शाहजी राजे के साथ हुआ। सन 1629 में निजामशाह ने राजद्रोह के संदेह में लखुजी जाधवराव के साथ उनके तीन पुत्र अचलोजी, रघुजी और यशवंत राव चारों की हत्या कर दी। इस घटना से पूरा हिंदुस्तान दहल उठा। इस घटना से शाहजी राजे भी अत्यंत उद्वेलित हुए और निजामशाह की सेवा छोड़कर विद्रोही हो गए।

जीजाबाई ने अपने जीवन में सत्ता संघर्ष, विश्वासघात, युद्ध और पारिवारिक त्रासदियों को निकट से देखा। उनके पिता लखुजी जाधव की हत्या ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। इसी अनुभव ने उनमें स्वतंत्र राज्य की आवश्यकता का भाव अधिक प्रबल किया। उस परिस्थिति में जब स्वराज्य स्थापित करने का विचार भी किसी के मन में नहीं उठता था तब शाहजी राजे और जिजामाता ने स्वराज का स्वप्न देखा। इस स्वराज के निर्माण के लिए अपना जीवन दाँव पर लगा कर प्रयत्न भी किया। मालोजीराजे के समय से ही पुणे की जागीर उनके पास थी। शाहजी राजे की बड़ी-बड़ी हवेलियां पुणे में थीं। शाहजी राजे ने पुणे और उसके आसपास का परिसर तेजी से अपने आधिपत्य में लेकर इस क्षेत्र को स्वतंत्र कर लिया। लेकिन शाहजी राजे का ये विद्रोह अधिक समय तक टिक न सका। आदिलशाह ने शाहजी राजे की बड़ी हवेलियाँ जलाकर राख कर दी और उनके अनेक लोगों का वध कर पुणे को वीरान कर दिया। शाहजी राजे का स्वराज के निर्माण हेतु किया गया प्रथम प्रयास असफल रहा। जब लखुजी जाधवराव की हत्या हुई थी, तब गर्भवती जीजाबाई, शाहजी राजे के साथ थीं। इस अनिश्चितता के काल में जीजाबाई को इस अवस्था सुरक्षित रखना शाहजी राजे के सामने बड़ी चुनौती थी। शाहजी राजे ने अनुकूलता देख कर जीजामाता को शिवनेरी के किले में रखा। यहाँ जीजाबाई ने एक पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम रखा गया शिवाजी। जब शाहजी दक्षिण में व्यस्त थे, तब जीजाबाई ने पुणे स्थित बेटे की जागीर का प्रबंधन संभाला। उन्होंने पुणे में लाल महल के निर्माण का मार्गदर्शन किया। इसी लाल महल में शिवाजी का बाल्यकाल बीता और स्वराज्य की प्रारंभिक योजनाएँ बनीं। उनके प्रशासनिक कौशल के कारण युद्धों से उजड़े क्षेत्र में पुनः कृषि, ग्राम व्यवस्था और राजस्व प्रणाली को सुदृढ़ किया गया। इस माँ के दो पुत्र थे, एक को दुश्मन ने धोखे से मार दिया था और अब एक ही बेटा उसके पास था। जिस माँ ने अपने परिजनों का अलगाव सहन किया हो, अपने पिता, भाइयों और पुत्र की हत्या होते हुए देखी हो, वो माँ अपने बेटे की सुरक्षा के लिए कितनी चिंतित होगी इसकी कल्पना की जा सकती है। लेकिन उस माँ ने अपने एकमात्र बेटे को भी देश के लिए, धर्म के लिए, अपनी संस्कृति के लिए की रक्षा के लिए तैयार करने का प्रण लिया। इतिहास में जीजाबाई का सबसे बड़ा योगदान छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र निर्माण में माना जाता है। उन्होंने बालक शिवाजी को बचपन से संस्कारित करने के लिए रामायण और महाभारत की कथाएँ सुनाईं। धर्म, न्याय और प्रजा-कल्याण के आदर्श सिखाए। विदेशी और अत्याचारी शासन के प्रति प्रतिशोध की भावना जगाई। स्त्रियों के सम्मान और धार्मिक सहिष्णुता का संस्कार दिया और स्वराज्य के स्वप्न से प्रेरित किया। यह मान्यता है कि 'शिवाजी के भीतर का स्वराज्य पहले जीजाऊ के मन में जन्मा था।

इतिहासकारों के अनुसार हिंदवी स्वराज्य की अवधारणा के पीछे जीजाबाई की प्रेरणा अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उन्होंने शिवाजीराजे को केवल सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि प्रजा की रक्षा, धर्म और संस्कृति के संरक्षण, न्यायपूर्ण शासन तथा स्वाभिमानी राज्य निर्माण के लिए प्रेरित किया। इसलिए कई इतिहासकार उन्हें 'हिंदवी स्वराज्य की आध्यात्मिक जननी' भी कहते हैं। हर माँ को अपनी संतान की चिंता होना स्वाभाविक है लेकिन उस चिंता के चलते भी देश को पहले रखने का काम जब कोई पन्नाधाय और जीजा माता जैसी माता करती है तब उस देश का इतिहास गढ़ता है। राजमाता जीजाबाई भारतीय इतिहास की उन महान महिलाओं में से हैं जिन्होंने केवल एक पुत्र का पालन-पोषण नहीं किया बल्कि एक युगपुरुष का निर्माण किया। मराठा इतिहास में उनका स्थान केवल शिवाजी महाराज की माता के रूप में नहीं बल्कि हिंदवी स्वराज्य की प्रथम प्रेरक, राष्ट्रचेतना की संवाहिका तथा आदर्श प्रशासिका के रूप में है। उन्होंने शिवाजी राजे को धर्मपालन, नैतिक शासन, न्याय और लोक कल्याण के भाव को केंद्र में रख कर योजना और नीतियाँ बनाने का शिक्षण और संस्कार दिए।

महाराज का राज्याभिषेक और अंतिम समय: 6 जून 1674 को छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक संपन्न हुआ। यह वह क्षण था जिसका स्वप्न जीजाबाई ने दशकों तक देखा था। राज्याभिषेक के कुछ ही दिनों बाद 17 जून 1674 को उनका निधन हो गया। ऐसा माना जाता है कि स्वराज्य को विधिवत स्थापित होते देखने के बाद उनका जीवन ध्येय पूर्ण हो चुका था। राजमाता जीजाबाई का जीवन भारतीय इतिहास में मातृत्व, राष्ट्रचेतना, नेतृत्व और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का अद्वितीय उदाहरण है। यदि शिवाजी महाराज हिंदवी स्वराज्य के निर्माता थे, तो जीजाबाई उस स्वराज्य की प्रथम प्रेरणा, वैचारिक आधारशिला और नैतिक शक्ति थीं। मराठा इतिहास में उनका स्थान केवल 'शिवाजी की माता' तक सीमित नहीं है वे स्वयं एक युगनिर्माता व्यक्तित्व हैं। जो माता अपने बच्चों को हमेशा एक सुरक्षा की खोल में रखती है, उसे परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार नहीं करती। उस माँ के बच्चे अपने जीवन में किसी मुकाम को हासिल नहीं कर पाते, जरा से संकट या थोड़ी-सी विपरीत परिस्थिति आने के बाद वे विचलित हो जाते हैं और गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं। माँ को यह चाहिए होता है कि वह अपने बच्चों के जीवन की चिंता जरूर करें लेकिन उसके साथ उसे अच्छे संस्कार देकर अपने जीवन में किसी बड़े उद्देश्य के लिए जीना सिखाए, बड़ा लक्ष्य उसके सामने रखें और रास्ता हमेशा नैतिकता का हो ये बेहद जरूरी होता है। हर बच्चे के भीतर एक उज्जवल संभावना का बीज छिपा होता है। माँ की यह भूमिका होती है कि वो उस बीज को पहचाने और फिर अपने बच्चों को ऐसा वातावरण दे जिससे वह अच्छी तरह अंकुरित हो सके, पुष्पित पल्लवित होकर वट वृक्ष जैसा विशाल आकर लेकर अपने घर-परिवार के साथ समाज, देश और दुनिया के लिए अच्छा काम कर सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में पद नहीं विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी

डॉ. आशीष वशिष्ठ
स्तंभकार

विश्वास और भरोसा ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। सार्वजनिक जीवन में जन विश्वास गंवाने वाला व्यक्ति किसी योग्य नहीं रह जाता। हाल ही में भारतीय राजनीति में जन विश्वास से जुड़ी दो अहम घटनाएं हुईं। पहली घटना में एक नेता ने जनविश्वास की पूंजी खो दिया। वहीं, दूसरी घटना में नेता ने जनविश्वास की पूंजी को सहेजा ही नहीं बल्कि हर बीतते दिन के साथ उसमें वृद्धि भी की।

पहली घटना 4 मई की है। इस दिन जन विश्वास खो चुकी तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। तृणमूल और ममता से नाराजगी का आलम यह था कि स्वयं ममता बनर्जी अपनी सीट हार गई। आज ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की जो दुर्दशा हो रही है, उसकी जिम्मेदार कोई दूसरा नहीं बल्कि वह स्वयं हैं। तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद अपना अलग गुट बना चुके हैं। स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण मिलना मुश्किल है, जब किसी राजनीतिक दल का इतनी तेजी से विघटन हुआ हो। या किसी नेता की तथाकथित साख चुनाव हारने के चंद दिनों में ही औंधे मुंह गिरी हो। सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी को मंदिर जाने की याद आई। कालीबाड़ी दर्शन करने पहुंची ममता बनर्जी को लोगों ने पूरी तरह अनदेखा किया। डेढ़ दशक तक सूबे का मुख्यमंत्री रहने वाले नेता की जनता इस हद तक उपेक्षा करे तो यह सिर्फ चुनावी हार नहीं, जनविश्वास के टूटने का संकेत होता है।

तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से आजिज जनता आज उसके नेताओं का अंडे, टमाटर, जूते और मार कुटाई से सत्कार कर रही है। तृणमूल के नेताओं को देखकर लोग नारेबाजी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये वो लोग हैं जो पिछले 15 वर्षों से तृणमूल नेताओं की तानाशाही, गुण्डागर्दी और अत्याचार चुपचाप सह रहे थे। तृणमूल नेताओं के प्रति जनता का व्यवहार उनके स्वाभाविक क्रोध, कुंठा, निराशा और हताशा का परिणाम है। ममता सरकार के डेढ़ दशक के शासन के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बूथों पर तोड़फोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल में आम बातें हो चुकी थीं। भाजपा के दावों को मानें तो साल 2021 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में टीएमसी समर्थकों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की थी। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि राज्य में लोकतंत्र सांस नहीं ले पा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं।

दूसरी घटना 10 जून को हुई। इस दिन नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए, जो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे किए गए 4,398 दिनों के कार्यकाल से ज्यादा है। इस तरह जनविश्वास, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बनकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह सिर्फ रिकॉर्ड नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के अटूट विश्वास की जीत है।

साल 2014 में देश ने उत्साह और अटूट विश्वास के साथ नरेन्द्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री चुना था लेकिन उन्होंने स्वयं को हमेशा एक प्रधानसेवक माना। इसी रूप में वे अपना राष्ट्रधर्म निभाते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प के साथ उन्होंने समाज के हर वर्ग का विश्वास जीता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास कराया है। विपक्ष के लगातार मिथ्या प्रचार, व्यक्तिगत हमलों, यहां तक कि अपशब्दों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी अहर्निश जनसेवा में जुटे हैं। देश की जनता उन पर भरोसा करती है, जनता को विश्वास है मोदी के रहते उनका अहित नहीं होगा। इसलिए वो लगातार तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी सहर्ष सौंपी। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, उड़ीसा में बीजू जनता दल, दिल्ली में आम आदमी पार्टी तमाम ऐसे उदाहरण ऐसे हैं, जब जनता ने इन दलों पर विश्वास करके सत्ता के सिंहासन पर बैठाया। लेकिन जब ये नेता विश्वास और उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे तो जनता ने इन्हें इनको आसमान से जमीन पर पटकने में देरी नहीं की। तमिलनाडु में विश्वास ही तो खत्म हुआ, तभी तो वहां की जनता ने सत्तारूढ़ डीएमके को हटाकर अभिनेता चंद्रशेखर जोसेफ विजय की नयी नवेली पार्टी टीवीके को सत्ता की कुंजी सौंप दी।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मिथक था कि यहां कोई सरकार दोबारा रिपीट नहीं होती। साल 2017 में भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कृतित्व एवं व्यक्तित्व से सरकार और शासन के प्रति जनता के विश्वास को लगातार बढ़ाने का काम किया। नतीजा, उत्तर प्रदेश की राजनीति में 37 साल पुराना यह मिथक साल 2022 के विधानसभा चुनाव में टूट गया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार पिछले नौ साल से लगातार जनसेवा में जुटी है। जीवन की सबसे बड़ी पूंजी पद नहीं बल्कि विश्वास होता है। यह विश्वास किसी नेता, राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी है। यह विश्वास बना रहना चाहिए। जिस दिन यह विश्वास टूटता है, उस दिन नतीजे वैसे ही होते हैं, जैसे 4 मई को पश्चिम बंगाल में ईवीएम से निकले। हारने वाला कुंठा, निराशा और हताशा में भले इसे वोट की लूट बताता रहे लेकिन ये वोट की नहीं बल्कि दिल की लूट होती है। इसलिए व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में विश्वास को बनाए रखें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

आंखों की थकान दूर करने के लिए त्राटक-त्रिफला आई वॉश भी हैं कारगर

आई स्ट्रेन आज के समय में आंखों से जुड़ी सबसे आम परेशानियों में से एक बन चुका है। इसका मुख्य कारण स्क्रीन के सामने अधिक समय बिताना है। बच्चों से लेकर बूढ़े तक आंखों के तनाव से जूझ रहे हैं। आई स्ट्रेन के चलते आपको आंखों में दर्द, जलन या थकान, धुंधला दिखाई देना, सिरदर्द और फोकस करने में परेशानी हो सकती है। इसके लिए आप आयुर्वेदिक उपायों को भी आजमा सकते हैं। डॉक्टर उमाशंकर शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कैलाश इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी ने ऐसे उपायों के बारे में जानकारी दी है।

हमारी आंखें लगातार कई घंटों तक एक स्थिर और तेज रोशनी वाली स्क्रीन को देखने के लिए नहीं बनी हैं। ऐसे में जब हम स्क्रीन पर फोकस करते हैं तो पलक झपकना काफी कम हो जाता है। इसके चलते आई सरफेस को नम बनाए रखने वाली आंसुओं की परत पर्याप्त रूप से नहीं बन पाती है, जिससे आंखों में ड्राईनेस, जलन और रेडनेस की समस्या होने लगती है। केवल इतना ही नहीं बल्कि लगातार स्क्रीन देखने के चलते आपकी आंखों को कई अन्य नुकसान भी भुगतने पड़ते हैं। स्क्रीन पर लगातार बदल रहे वीडियोज को देखने के चलते आंखों को बार-बार फोकस बदलना पड़ता है। इससे लेंस की फ्लेक्सिबिलिटी के लिए जिम्मेदार सिलिअरी मसल्स पर दबाव बढ़ाता है।

आई स्ट्रेन के लिए त्राटक एक प्राचीन योगिक मेडिटेशन और शुद्धि क्रिया है। इसमें हर दिन कुछ मिनटों के लिए एक अंधेरे, शांत कमरे में आंखों के स्तर पर रखे दीपक की लौ को धीरे-धीरे देखा जाता है। यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, एकाग्रता में सुधार करता है और आंखों को गहराई से साफ करता है। इसके अलावा नेत्र तर्पण भी लाभकारी है। यह एक खास प्रकार का आयुर्वेदिक उपचार है, जिसमें आंखों के चारों ओर एक आटे का बांध बनाया जाता है और एक निर्धारित अवधि के लिए उसमें गुनगुना औषधीय घी भर दिया जाता है। यह आई टिशू को गहराई से पोषण देता है, सूखेपन से राहत देता है और क्लिएरिटी में सुधार करता है।

आंखों की थकान को कम करने के लिए त्रिफला आई वॉश भी एक बेहद प्रभावी उपाय है। इसे बनाने के लिए त्रिफला जड़ी बूटी के मिश्रण को रात भर साफ पानी में भिगो दें, फिर इसे सुबह छान लें और आंखों को धोने के लिए इस्तेमाल करें। दरअसल, त्रिफला में नेचुरल सूजनरोधी गुण मौजूद होते हैं जो रेडनेस और थकान को कम करने में मदद करते हैं। गुलाब जल को भी आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

सुविचार

इस संसार में हर जगह खुशियाँ ही खुशियाँ हैं। बस देखने का नजरिया बदलो।

-अज्ञात

निशाना

जिन्हें देख मन हर्षाये ऐसे तो कुछ चित्र बना

रामकिशोर नाविक

अपने भाव पवित्र बना
बना सके तो इत्र बना
जिन्हें देख मन हर्षाये
ऐसे तो कुछ चित्र बना
तन्हाई भी खिल जाये
बतियाने को मित्र बना
हर मौके पे हँसता रह
मुद्रा नहीं विचित्र बना
शांति धाम में चर्चा हो
ऐसा धवल चरित्र बना।

स्ट्रेस बस्टर

'डोपामिन साइट्स' से शॉपिंग का ट्रेंड, खाते से न पैसे कटेंगे और न सामान आएगा

कैसा हो कि आपके जो मन में आए, आप वो ऑर्डर करें और पेमेंट के बाद अकाउंट से एक रुपया भी ना कटे? दरअसल, डोपामिन साइट्स पर यह संभव है और इसी वजह से ये साइट्स यूथ के बीच बहुत पॉपुलर हो रही हैं। दरअसल यह कुछ ऐसी साइट्स हैं, जो दिखने में बिलकुल ओरिजनल शॉपिंग साइट्स की तरह लगती हैं लेकिन यहां से कुछ भी ऑर्डर करने पर ना ही आपके पैसे लगते हैं और ना ही आपके पास कोई सामान आता है। मजेदार बात यह है कि इन डोपामिन साइट्स को इस तरह से बनाया गया है कि आप असली शॉपिंग साइट्स की तरह ही सामान सर्च कर पाएंगे, उन्हें कार्ट में डालकर पेमेंट भी कर सकेंगे। इतनी ही नहीं ऑर्डर करने के बाद आपको डिलीवरी का स्टेटस भी पता चलेगा लेकिन कभी कोई सामान घर पर नहीं आएगा और आपका कोई पैसा खर्च नहीं होगा।

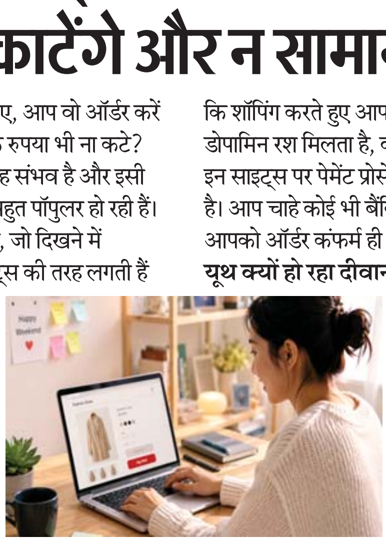

क्या हैं डोपामिन साइट्स?: जैसा कि इनके नाम से समझ आता है यह आपके मन की उस क्रेविंग को शांत करने के लिए बनी हैं, जिसके चलते आप जोश-जोश में हजारों रुपये खर्च देते हैं। ये हूबहू असली ई-कॉमर्स वेबसाइट्स की तरह दिखती हैं, ताकि इन पर शॉपिंग करते हुए आपके दिमाग को लगे कि आप असली साइट्स पर शॉपिंग कर रहे हैं। इन साइट्स को बनाने का मकसद है कि शॉपिंग करते हुए आपको जो खुशी या कहें कि डोपामिन रश मिलता है, वह बिना पैसा गंवाए मिल सके। इन साइट्स पर पेमेंट प्रोसेस भी पूरी तरह से नकली होती है। आप चाहे कोई भी बैंकिंग डिटेल्स डालें, यह साइट्स आपको ऑर्डर कंफर्म ही दिखाती हैं।

यूथ क्यों हो रहा दीवाना?: देखा जाए, तो डोपामिन साइट्स टाइम पास से ज्यादा कुछ नहीं लगती लेकिन फिर भी यूथ इन साइट्स के दीवाने हैं। फिलहाल इस तरह की साइट्स का ट्रेंड साउथ कोरिया में ज्यादा है लेकिन इनकी लोकप्रियता और ट्रेंड को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह दूसरे देशों में भी जल्द पहुंच सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्सपर्ट्स का दावा है कि 'लड्डू' के लिए शॉपिंग एक स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है। ऐसे में ये साइट्स उन्हें तनावमुक्त करती हैं और इसके लिए पैसे भी खर्च करने नहीं पड़ते।

डोपामिन साइट्स के नए ट्रेंड को लेकर एक्सपर्ट्स के अलग-अलग मत हैं। बतौर एक्सपर्ट्स अगर इन साइट्स का इस्तेमाल सजगता से किया जाए, तो बेशक यह किसी स्ट्रेस बस्टर से कम नहीं लेकिन अगर सामान ऑर्डर करने की चाह किसी पर हावी हो जाए, तो शॉपिंग की लत भी लग सकती है और आर्थिक नुकसान भी हो सकता है।

नॉलेज

जब पूरे भारत में होती है रात, तब इस गांव में उग जाता है सूरज

भारत के ज्यादातर हिस्सों में जब रात होती है और लोग सो रहे होते हैं, तब देश के सबसे पूर्वी कोने में स्थित एक छोटा सा गांव पहले सूरज की किरणों से जग जाता है। हम बात कर रहे हैं अरुणाचल प्रदेश के अनजाव जिले में वालोंग के पास डोंग गांव और आसपास की पहाड़ियों की। इन इलाकों में भारत का सबसे पहला सूर्योदय देखने के लिए मिलता है। यहां रात के तीन बजे ही सूरज निकलने की तैयारी शुरू हो जाती है और पर्यटक इस अनोखे अनुभव के लिए खास ट्रेक पर निकल पड़ते हैं।

डोंग गांव को भारत का लैंड ऑफ राइजिंग सन भी कहा जाता है। इसी जगह देश में सबसे पहले सूर्योदय होता है। डोंग गांव वालोंग से महज 7-8 किलोमीटर दूर है। यह छोटा सा गांव भारत-चीन-म्यांमार त्रिकोण क्षेत्र के करीब स्थित है। यहां की ऊंची चोटियों पर चढ़कर लोग रात के अंधेरे में ट्रैक करते हैं। कई पर्यटक रात के 1:30 बजे ट्रैक शुरू कर देते हैं ताकि सुबह 3-4 बजे चोटी पर पहुंचकर सूरज की पहली किरणें देख सकें। जहां देश के दूसरे हिस्सों में सूर्योदय सुबह 5:30 से 6:30 बजे के बीच होता है, वहां डोंग और वालोंग क्षेत्र में यह कई घंटे पहले हो जाता है।

वालोंग का ऐतिहासिक महत्व: वालोंग सिर्फ सूर्योदय के लिए नहीं, बल्कि 1962 के भारत-चीन युद्ध की यादों के लिए भी जाना जाता है। यह जगह युद्ध के मैदान रही है और यहां कई भारतीय सैनिकों ने वीरतापूर्ण बलिदान दिया था। आज यह क्षेत्र शांत है लेकिन इतिहासकार और सैन्य प्रेमी यहां आकर भावुक हो जाते हैं। वालोंग में एयरस्ट्रिप भी है जो इस दुर्गम इलाके को देश से जोड़ता है।

कैसे पहुंचें और क्या देखें?: वालोंग पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा डिब्रूगढ़ (असम) है, वहां से सड़क मार्ग लगभग 300-350 किलोमीटर है। यात्रा खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण है। डोंग घाटी में ट्रेकिंग, नेचर वॉक, मेयोर जनजाति की संस्कृति और लोकल व्यंजनों का मजा लिया जा सकता है। हाल ही में यहां डोंग सनराइज फेस्टिवल भी शुरू किया गया है, जो दिसंबर-जनवरी में आयोजित होता है। अब बात करते हैं यहां सबसे पहले सूर्योदय होने की वजह की। भारत पूर्व से पश्चिम तक फैला हुआ है। अरुणाचल सबसे पूरब में है। समय क्षेत्रीय अंतर के कारण यहां सूरज पहले निकलता है।

न्यूज विंडो

सिरोंज के किसानों के साथ न्याय होना चाहिए: विनोद सेन

सिरोंज। कांग्रेस कमेटी सचिव विनोद सेन बयान जारी कर कहा है कि ग्राम बेरखेड़ी जेतू, तहसील विदिशा में कृषि विज्ञान केंद्र (चङ्क्य) के भूमिपूजन के बीच सिरोंज क्षेत्र के किसानों के मन में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सिरोंज में वर्षों पुराना कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित था, जो किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्रशिक्षण और वैज्ञानिक सलाह के माध्यम से लाभ पहुंचाता था। लेकिन स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगातार लगाए जाते रहे हैं कि भाजपा के क्षेत्रीय विधायक की शिकायत और हस्तक्षेप के कारण सिरोंज का कृषि विज्ञान केंद्र बंद हो गया। यदि यह तथ्य सही है, तो यह निर्णय किसानों के हितों के विरुद्ध माना जाएगा। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस क्षेत्र में पहले से कृषि विज्ञान केंद्र की व्यवस्था उपलब्ध थी और जहां हजारों किसान उससे लाभान्वित हो रहे थे, उसी केंद्र को पुनः प्रारंभ करने के बजाय अब विदिशा क्षेत्र में नए केंद्र का भूमिपूजन किया जा रहा है। इससे सिरोंज के किसानों में उपेक्षा की भावना उत्पन्न होना स्वाभाविक है। किसानों का कहना है कि यदि सिरोंज का कृषि विज्ञान केंद्र किसी शिकायत के आधार पर बंद किया गया था, तो उसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और यदि केंद्र को पुनः शुरू किया जा सकता है, तो तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। विकास का अर्थ किसी एक क्षेत्र को आगे बढ़ाना और दूसरे क्षेत्र को पीछे छोड़ देना नहीं होना चाहिए।

पंच परिवर्तन संगोष्ठी में पृथ्वीसिंह को मिला आदर्श शिक्षक सम्मान

गंज बासौदा। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा पंच परिवर्तन में युवाओं की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर आदिवासी बहुल बस्ती कालापठार में शिक्षा की अलख जगाने वाले शासकीय प्राथमिक विद्यालय कालापठार के प्रधानाध्यापक पृथ्वीसिंह रघुवंशी को इन्द्रेश कुमार आदर्श शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि विकसित भारत-2047 का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा वर्ग शिक्षा, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग से आत्मनिर्भरता, नागरिक कर्तव्यों और पारिवारिक मूल्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएगा। उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तन आज राष्ट्र जागरण का जनआंदोलन बन चुका है। इस अवसर पर कर्मचारी नेता विनोद श्रीवास्तव, अमर सिंह तोमर एवं संजीव रघुवंशी ने कहा कि पंच परिवर्तन केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला जनआंदोलन है। इसके पांच प्रमुख आयाम सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी के माध्यम से आत्मनिर्भरता, नागरिक कर्तव्य तथा पारिवारिक जागरूकता एवं संस्कार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की मजबूत आधारशिला हैं।

रामलला सरकार के दरबार में हुआ कन्याभोज एवं भंडारा

सिरोंज। पुरुषोत्तम मास के समापन पर प्राचीन रामलला सरकार के दरबार में विशाल कन्याभोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया। पुरुषोत्तम मास में सरकार के दरबार में प्रतिदिन संगीतमयी कथा का आयोजन किया गया। इस दौरान शिव महापुराण, श्रीमद् भागवत कथा और श्री रामकथा का रसपान कथावाचक पंडित रामबाबू शर्मा द्वारा श्रद्धालुओं को करवाया गया। एक महीने तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन सरकार के दरबार में संगीतमयी कथा का श्रवण करने के लिए पहुंचे। आयोजन के अंतिम दिन सरकार की महाआरती का आयोजन हुआ। इसके उपरांत संध्या काल विशाल कन्याभोज एवं भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए शहर के हर हिस्से के श्रद्धालु सरकार के दरबार में पहुंचे। देर रात तक भंडारे में प्रसादी वितरण का क्रम चलता रहा। मंदिर परिसर में रामलला सरकार के जयकारे गुंजायमान होते रहे। इस दौरान रामलला मंदिर सेवा समिति के सदस्यों ने सेवा कार्य किया। शहर के मध्य में स्थित प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में भी पुरुषोत्तम मास महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में सरकार के सेवक नवनीत महाराज के सानिध्य में साल भर के त्योहार भी दरबार में मनाए गए। इसी क्रम पुरुषोत्तम मास की अमावस्या पर दीपावली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सरकार के दरबार को दीपमालाओं से सजाया गया। वहीं श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी भी की। इस अवसर पर विशेष प्रसादी का वितरण भी किया गया।

विधवा, महिला संबल योजना के लाभ से वंचित, लगाए गंभीर आरोप

कटनी। जिले में एक बेसहारा विधवा महिला संबल योजना की सहायता राशि के लिए पिछले तीन साल से दफ्तरों के चक्कर काट रही है। महिला का आरोप है कि स्ष्ठरूके आठ महीने पुराने आदेश को भी जनपद पंचायत के अधिकारियों ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। आखिर में परेशान होकर पीड़िता ने कलेक्टर से गुहार लगाई, जिसके बाद कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

विवाहिता की मौत के बाद पिता ने दामाद और ससुरालवालों पर लगाए दहेज प्रताड़ना और हत्या के आरोप

सलोनी की संदिग्ध हालत में मौत, विदिशा में न्याय पाने के लिए भटक रहा परिवार

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले में एक बार फिर एक विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। घटना विदिशा की है जहां विवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद परिजन ने दामाद व ससुरालवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या करने के आरोप लगाए हैं। सिविल लाइन थाना के ग्राम भौरिया निवासी मीठालाल अपनी बेटी सलोनी की मौत को हत्या बताते हुए न्याय की गुहार लगा रहा है। उसका आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उसकी बेटी की हत्या कर दी गई, लेकिन मामला दर्ज होने के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं।

एएसपी के पास न्याय की गुहार लगाने पहुंचे पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत की है। परिवार का कहना है कि आरोपियों के राजनीतिक रसूख के कारण पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। मीठालाल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया है कि उनकी बेटी सलोनी की शादी आशीष उर्फ नैतिक किरार से हुई थी। शादी के वक्त उन्होंने अपनी हैसियत से बढ़कर शादी में खर्च किया और दहेज का सामान भी दिया, लेकिन शादी के कुछ समय बाद से ही सलोनी को पति आशीष और ससुरालवाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे थे। पिता का आरोप है कि पति, सास, जेठ और जेठानी द्वारा मोटरसाइकिल, चार पहिया वाहन और 10 लाख रुपये नकद की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर सलोनी को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था।

पिता मीठालाल ने बताया कि 13 मई 2026 को सलोनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि सलोनी की ससुराल वालों ने साजिश रचकर हत्या की है। परिजनों का कहना है कि घटना के करीब 20 दिन तक तो उनकी शिकायत ही पुलिस ने दर्ज नहीं की। 20 दिन बाद शिकायत दर्ज की लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है, जिन पर हमने हत्या का आरोप लगाया है उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और हमारे परिवार को धमकियां दे रहे हैं। परिवार का आरोप है कि आशीष का परिवार राजनीतिक प्रभाव वाला है और इसी वजह से कार्रवाई में देरी हो रही है। मामले में एएसपी प्रशांत चौबे ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन परिजनों को दिया है।

बाबा श्री महाकाल का गणेश स्वरूप में हुआ विशेष श्रृंगार

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की तृतीया पर बुधवार सुबह भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दरबार में हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान भक्तों ने देर रात से ही कतार में लगकर अपने आराध्य देव बाबा महाकाल के दर्शन किए। सुबह चार बजे बाबा महाकाल के पट खुले और उनका अलौकिक श्रृंगार कर भस्म अर्पित की गई। भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया, जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की तृतीया पर बुधवार सुबह 4 बजे भस्म आरती संपन्न हुई। इस दौरान वीरभद्र जी से आज्ञा लेकर मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया गया। पूजन के दौरान प्रथम घंटा बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। पुजारियों और पुरोहितों ने बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार किया तथा कपूर आरती के बाद उन्हें नवीन मुकुट धारण कराया। इसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल के शिवलिंग पर भस्म अर्पित की गई। फिर झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़ों और शंखनाद के साथ भस्म आरती संपन्न हुई।

मीनाक्षी का नामांकन निरस्त होने के विरोध में एनएसयूआई ने फूंका पुतला

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन कथित रूप से गलत तरीके से निरस्त किए जाने के विरोध में सोमवार को राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने चुनाव आयोग एवं भारतीय जनता पार्टी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता का दबाव बनाकर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जाएगा तो एनएसयूआई और कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करते रहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग से निष्पक्षता बनाए रखने तथा लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी, मध्यप्रदेश कांग्रेस सचिव विकास शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष शर्मा, नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील पिंगले, सत्यप्रकाश सेन, ब्लॉक अध्यक्ष नितिन दुबे, बहादुर सिंह दांगी, राजकुमार सेन, वरिष्ठ नेता अमित दुबे पट्टू, जगदीश सुहाने, बी.डी. शर्मा, पार्षद राहुल ठाकुर, मणि भाई अहिरवार, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा, छात्र नेता राजवर्धन राजपूत, पृथ्वी रघुवंशी, प्रशांत नायक, अभिषेक गुर्जर, अनिल पाठक, पप्पू सोनी, पलाश जैन, यश मिश्रा, नमन दुबे, यश बालोटिया, आनंद दुबे अन्नू, टक्कू, नेतराम, अभिषेक, राहुल, प्रिंस सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ढाबा संचालक की गोली मारकर हत्या खून से लथपथ मिला शव, पड़ताल जारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में शोभापुर के पास एक ढाबा संचालक का बुधवार तड़के 3 बजे रानी पिपरिया नहर की पुलिया पर उसका खून से लथपथ शव बरामद हुआ। मृतक के सिर में गोली मारी गई है। घटना तब हुई जब मंगलवार रात वह एक नकाबपोश युवक के साथ अपने ढाबे से निकला था। गोलीकांड की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस ने मामले की सघन जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 35 वर्षीय सचिन राजपूत के रूप में हुई है, जो सोहागपुर का निवासी था। अजनेरी के पास पिपरिया मार्ग पर उसका राजपूत ढाबा संचालित होता है। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार रात वह घर से बाजार घूमने की बात कहकर ढाबे पर पहुंचा था। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि रात करीब 8 बजे मुंह पर कपड़ा बांधे एक युवक उसके ढाबे पर आया था, जिसके साथ सचिन ढाबे से बाहर निकला था। जब सचिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो चिंतित परिजनों और ढाबे के कर्मचारियों ने उसकी तलाश शुरू की। कोई सुराग न मिलने पर वे शोभापुर पुलिस चौकी पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। चौकी प्रभारी राहुल पटेल ने पुलिस टीम के साथ मिलकर मृतक की मोबाइल लोकेशन निकलवाई। लोकेशन पिपरिया-नर्मदापुरम स्टेट हाईवे की मुख्य सड़क से करीब 1 किलोमीटर दूर रानी पिपरिया नहर की मिली। पुलिस जब सर्चिंग करते हुए वहां पहुंची, तो नहर की पुलिया पर सचिन का शव पड़ा मिला। उसके सिर के दाहिने हिस्से में गोली लगने के स्पष्ट निशान थे और वहां काफी खून बिखरा था। घटना की गंभीरता को देखते हुए सोहागपुर थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी, शोभापुर चौकी प्रभारी राहुल पटेल और सेमरी हरचंद चौकी प्रभारी विवेक यादव सहित भारी पुलिस बल रात में ही मौके पर पहुंच गया था। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए फिंगर प्रिंट और एफएसएल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। पुलिस उस संदिग्ध नकाबपोश युवक की सरगर्मी से तलाश कर रही है और रास्ते के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गुना में पाइप फैक्टरी में लगी आग लाखों का माल जलकर हुआ राख

गुना। दोपहर मेट्रो

शहर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित रतरा इंडस्ट्रीज की प्लास्टिक पाइप निर्माण इकाई में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्टरी में रखा कच्चा माल, प्लास्टिक दाना तथा तैयार पाइप जलकर खाक हो गए। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में करीब 75 लाख रुपये के नुकसान की आशंका है।

जानकारी के अनुसार,फैक्टरी में अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार आसमान में छा गया। धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। घटना के बाद औद्योगिक क्षेत्र में काम कर रहे मजदूरों और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलते ही नगर पालिका की चार फायर ब्रिगेड और चार पानी के टैंकर मौके पर पहुंच गए। हालांकि, आग की तीव्रता और घने धुएं के कारण दमकल कर्मियों को फैक्टरी के भीतर प्रवेश करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। हालात को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल जेसीबी मशीन बुलवाई। जेसीबी की मदद से फैक्ट्री की दीवार और मुख्य गेट को तोड़ा गया, जिसके बाद दमकल वाहन अंदर पहुंच सके।पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने चारों ओर से मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए पानी के साथ-साथ फोम का भी इस्तेमाल किया गया। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आसपास स्थित अन्य औद्योगिक इकाइयां भी इसकी चपेट में आ सकती थीं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन, नपा के अधिकारी और व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश अग्रवाल मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी करते रहे। फैक्ट्री संचालक भी घटनास्थल पर मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर

भूमि सीमांकन को लेकर कई सालों से लगातार शिकायत पर नहीं हुआ समाधान

सुनवाई न होने पर भड़का किसान, कलेक्ट्रेट में किया हंगामा

शाजापुर। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान भूमि सीमांकन विवाद से परेशान एक किसान ने जमकर हंगामा कर दिया। किसान ने अपनी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। घटना के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार पोलायकलां निवासी किसान शरद कुमार शर्मा अपनी भूमि के सीमांकन संबंधी शिकायत लेकर जनसुनवाई में पहुंचे थे। उनका आरोप है कि उनकी भूमि के सर्वे नंबर 4446/3 के सीमांकन में गड़बड़ी की गई है और लंबे समय से शिकायत करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला है। किसान का कहना है कि वर्ष 2019 से अब तक वह कलेक्टर कार्यालय, संबंधित राजस्व अधिकारियों और सीएम हेल्पलाइन में 50 से अधिक शिकायतें दर्ज करा चुके हैं लेकिन मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस राजस्व टीम पर पहले गलत सीमांकन करने के आरोप लगे थे, उसी टीम से दोबारा नाप-जोख कराई जा रही है। शरद कुमार शर्मा ने दावा किया कि उनकी जमीन को गलत तरीके से दूसरे व्यक्ति की भूमि बताया जा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और नई राजस्व टीम गठित कर पुनः सीमांकन कराने की मांग की है। शिकायत पर सुनवाई नहीं होने से नाराज किसान ने जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं, जिससे माहौल गरमा गया। किसान का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी समस्या रखने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और उन्हें कलेक्ट्रेट परिसर से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि फरियादियों को अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलेगा, तो जनसुनवाई का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। वहीं लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान संबंधित व्यक्ति अधिकारियों के लिए अमर्यादित और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर रहा था। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और परिसर की शांति भंग न हो, इसके लिए उसे कलेक्ट्रेट परिसर से बाहर भेजा गया। फिलहाल भूमि सीमांकन से जुड़े विवाद और किसान द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दमोह में भीषण सड़क हादसा: पत्नी व बेटी को छोड़ घर लौट रहे शख्स की मौत, तीन गंभीर घायलों को जबलपुर किया रेफर

दमोह। दोपहर मेट्रो

पथरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नौरू मारा गांव के पास मंगलवार रात दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल से जबलपुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार सूखा गांव निवासी रामकुमार पटेल (40) और खेजरा निवासी गणेश पटेल (35) मोटरसाइकिल से पथरिया से दमोह की ओर आ रहे थे। वहीं शाहपुर सोनकिया निवासी मनोज कुर्मी (29) अपने चार वर्षीय पुत्र वेद कुर्मी के साथ लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि मनोज अपनी पत्नी और बेटी को जोरतला छोड़कर वापस शाहपुर सोनकिया जा रहे थे।

इसी दौरान नौरू मारा के पास दोनों मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। और बाइकों के परखच्चे उड़ गए।।हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई और तत्काल पुलिस व 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मनोज कुर्मी को मृत घोषित कर दिया। वहीं रामकुमार पटेल, गोविंद पटेल तथा मासूम वेद कुर्मी की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मृतक की पत्नी ने बताया कि मनोज परिवार को छोड़कर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों को सौंपा शव

ड्यूटी डॉ. आरिफ खान ने बताया कि घायलों का प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में रेफर किया गया है। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में सुरक्षित रखवाया गया है। बुधवार को पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पथरिया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे की वजह माना जा रहा है।

न्यूज विंडो

प्रस्तावित शराब दुकान के स्थानांतरण का वार्डवासियों ने किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 11,12 एवं 13 के रहवासियों ने प्रस्तावित मदिरा दुकान के स्थानांतरण का कड़ा विरोध करते हुए मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सी.जी. गोस्वामी को ज्ञापन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की। नागरिकों ने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्तावित स्थल पर मदिरा दुकान संचालित करने की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में संचालित मदिरा दुकान को तारादेही रोड स्थित एक नए स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। वार्डवासियों का कहना है कि प्रस्तावित स्थल घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है तथा इसके आसपास कई शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थान संचालित हैं। ऐसे में मदिरा दुकान के संचालन से क्षेत्र का सामाजिक एवं शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होने की आशंका है। नागरिकों ने बताया कि प्रस्तावित स्थल के निकट आरुष किड्स एकेडमी, सरस्वती ज्ञान मंदिर एवं श्री शिव शिशु विद्यालय जैसे शिक्षण संस्थान संचालित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययन के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आसपास धार्मिक स्थल भी मौजूद हैं, जहां श्रद्धालुओं का नियमित आवागमन रहता है। वार्डवासियों का कहना है कि ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में मदिरा दुकान खुलने से बच्चों, महिलाओं एवं आम नागरिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

जनसुनवाई में प्रशासन ने दिव्यांग हितग्राही को दिलाई राहत

तेंदूखेड़ा। तहसील में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रशासन का एक मानवीय एवं संवेदनशील स्वरूप देखने को मिला, जिसने आमजन के बीच शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत किया है। जनसुनवाई में वार्ड क्रमांक 15 निवासी सुरेश घोसी अपनी समस्या लेकर पहुंचे। घोसी लंबे समय से लकवा एवं शारीरिक दिव्यांगता से पीड़ित हैं। उनकी शारीरिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण उन्हें चलने-फिरने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही अब तक उनका दिव्यांगता प्रमाण-पत्र नहीं बन पाया था, जिसके कारण वे विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं पेंशन जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लाभ से वंचित थे। जनसुनवाई के दौरान जब अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) सी.जी. गोस्वामी को श्री घोसी की स्थिति की जानकारी प्राप्त हुई, तो उन्होंने मामले को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ तत्काल संज्ञान में लिया। उन्होंने बिना किसी विलंब के तहसीलदार के शासकीय वाहन की व्यवस्था कराई तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) को निर्देशित किया कि वे स्वयं श्री घोसी के साथ जिला मेडिकल बोर्ड तक जाएं और उनके आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण तथा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया को सुनिश्चित कराएं।

वर्षाकाल में अतिवृष्टि से सुरक्षा को लेकर विद्यालयों में निगरानी के निर्देश

नरसिंहपुर। वर्षाकाल के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं विद्यालयों के सुचारू संचालन को दृष्टिगत रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा द्वारा जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों, प्रधान पाठकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में निर्देशित किया गया है कि अतिवृष्टि के दौरान विद्यालय भवनों की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जाए। यदि किसी विद्यालय भवन अथवा कक्ष की स्थिति जर्जर, क्षतिग्रस्त या असुरक्षित पाई जाती है तो ऐसे भवनों में कक्षाओं का संचालन नहीं कराया जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के तहत विकासखंड स्तर पर समस्त शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण कर भवनों की सुरक्षा स्थिति का परीक्षण कराया जाएगा। जिन भवनों अथवा कक्षों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जर्जर या खतरनाक घोषित किया गया है, उनमें कक्षाओं का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। आदेश में कहा गया है कि विद्यालय भवनों में किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही समय-समय पर निरीक्षण एवं निगरानी कर विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

स्कूलों में नया शिक्षा सत्र शुरू: पहले दिन ही कई जगह लटके ताले

सांदीपनि विद्यालय में विलय हुए स्कूलों में कोई जानकारी चस्पा नहीं, भटकते रहे छात्र व परिजन

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

स्कूलों का नया शिक्षा सत्र 16 जून से शुरू हो गया है और स्कूल के पहले ही दिन छात्रों व उनके परिजनों को यहां से वहां भटकना पड़ा। दरअसल, शहर में कई स्कूलों का सांदीपनि विद्यालय में विलय कर उन्हें बंद कर दिया गया है। मगर स्कूल प्रबंधन द्वारा इसकी जानकारी अभिभावकों या छात्रों को नहीं दी गई, जिससे वे आज पुराने स्कूलों में ही पहुंचे, जहां उन्हें ताले लटके मिले। पत्रिका ने मंगलवार को शहर के अलग-अलग स्कूलों में पड़ताल की, जिसमें अधिकांश स्कूल बंद पाए गए।

डेरापहाड़ी स्थित प्राथमिक विद्यालय बंद कर दिया गया है और इसका विलय सांदीपनि विद्यालय में कर दिया गया है। यहां कोई भी जानकारी चस्पा न होने से विद्यार्थी सुबह से भटकते मिले। साथ आए परिजनों का कहना है कि उन्हें पता ही नहीं है कि अब उनके बच्चों को सांदीपनि विद्यालय में जाना पड़ेगा। कुछ अभिभावकों ने विद्यालय शिफ्ट होने पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि सांदीपनि विद्यालय दूर है और बच्चों को आने-जाने में दिक्कत होगी, क्योंकि जहां विद्यालय बनाया गया है वहां आवागमन की सुविधा भी बेहतर नहीं है। डेरापहाड़ी के स्कूल भवन में अब गांधी आश्रम द्वारा संचालित विद्यालय शुरू किए जाने की बात सामने आई है, लेकिन डेरापहाड़ी का भवन जर्जर अवस्था में है और वहां गंदगी के ढेर लगे

हुए हैं। पानी की व्यवस्था भी नहीं है। प्रबंधन ने कचरे के ढेर हटाने की भी जरूरत नहीं समझी है। ऐसे में नए विद्यालय के संचालन पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

16 जून को स्कूलों में छात्रों के स्वागत के लिए जिला शिक्षा विभाग ने तैयारियों की बात कही थी, लेकिन तैयारी तो दूर, नरसिंहगढ़ पुरवा में बना प्राथमिक स्कूल खुला ही नहीं। दोपहर 11 बजे तक उसमें ताला लगा हुआ था। यहां इस बात की भी जानकारी नहीं लगाई गई थी कि इसे भी सांदीपनि विद्यालय से जोड़कर शिफ्ट किया गया है या नहीं। जानकारी के अभाव में विद्यार्थी बंद स्कूल देखकर लौट गए। हैरानी की बात यह है कि यह स्कूल कलेक्टर निवास से महज 200 मीटर की दूरी पर है और बड़े-बड़े प्रशासनिक अधिकारियों के बंगले इसके समीप हैं। इसके बाद भी विद्यालय प्रबंधन द्वारा नियमों की अनदेखी की गई। संकट मोचन इलाके के बेनीगंज प्राथमिक विद्यालय में पहले दिन छात्र ही नहीं पहुंचे। स्कूल खोलकर केवल शिक्षकों द्वारा खानापूर्ति की गई। एक कमरे में संचालित इस विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है, जिनकी संख्या 100 से अधिक है। ऐसे में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में बच्चों के भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासी ईशान मलिक का कहना है कि विद्यालय में पढ़ाई के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। न तो स्कूल में पर्याप्त जगह है, टीन शेड के नीचे बच्चों को पढ़ाया जाता है। न पानी की व्यवस्था है और न ही शिक्षक समय पर आते हैं। गरीब तबके के बच्चे ही यहां पढ़ते हैं। उनकी शिक्षा पर ग्रहण-सा लग रहा है।

साफ नहीं हुई गंदगी, स्कूल भी पड़े हैं बंद

नया मोहल्ला में बना प्राइमरी स्कूल शुरू से ही लापरवाही का शिकार रहा है। नए सत्र के दौरान भी स्कूल बंद मिला। यहां करीब 30 बच्चे पढ़ते हैं। पास में ही गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। स्कूल प्रबंधन ने सफाई की ओर भी ध्यान नहीं दिया है। वहीं नियमों को ताक पर रखते हुए दोपहर साढ़े 11 बजे तक स्कूल बंद मिला। प्रभारी कौशल सिंह ने बताया कि सांदीपनि स्कूल में जिन विद्यालयों को मर्ज किया गया है वे स्कूल ही बंद किए गए हैं। बाकी स्कूलों में सुबह सात बजे से शिक्षकों की ड्यूटी लगी हुई है। जहां भी स्कूल बंद मिले वहां की जानकारी ली जाएगी साथ में मर्ज स्कूल में रजिस्टर्ड बच्चों को कॉल के माध्यम से सूचना जारी करेंगे ताकि उन्हें व अभिभावकों को भटकना न पड़े।

गाइडलाइन दरों पर उठे सवाल

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद भी कम दरों पर भूमि मूल्यांकन

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में वर्ष 2026-27 की प्रचलित कलेक्टर गाइडलाइन दरों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सामने आए दस्तावेजों में एक ओर सुप्रीम कोर्ट का वर्ष 2022 का महत्वपूर्ण निर्णय है, जिसमें भूमि अधिग्रहण के मामलों में वास्तविक बाजार मूल्य और उचित मुआवजा निर्धारित करने पर जोर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर अनूपपुर जिले की गाइडलाइन दरों में कई क्षेत्रों की दरें बाजार मूल्य से काफी कम होने के आरोप लग रहे हैं।

दस्तावेजों के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने रतन सिंह बनाम हरियाणा राज्य प्रकरण में स्पष्ट किया था कि भूमि का मूल्यांकन केवल कागजी दरों के आधार पर नहीं, बल्कि वास्तविक बाजार मूल्य, क्षेत्र के विकास और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी माना कि किसानों और भूमि स्वामियों को उचित प्रतिकर मिलना उनका अधिकार है।

इधर अनूपपुर जिले की वर्ष 2026-27 की गाइडलाइन दरों में कोतमा नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की आवासीय एवं व्यावसायिक भूमि दरें निर्धारित की गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर वास्तविक बाजार में जमीन की खरीद-फरोख्त गाइडलाइन दरों से कहीं अधिक मूल्य पर हो रही है, जबकि सरकारी दस्तावेजों में कम दरें दर्ज हैं।

भूमि स्वामियों का आरोप है कि यदि भविष्य में अधिग्रहण या मुआवजा निर्धारण की स्थिति बनती है तो कम गाइडलाइन दरों का सीधा नुकसान किसानों और आम नागरिकों को उठाना पड़ सकता है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर गाइडलाइन दरों का पुनर्मूल्यांकन कराया जाए।

दो मजदूरों की मौत पर लीपापोती का आरोप

मैंनेजर व वेंटिलेशन अफसर सस्पेंड सेफ्टी ऑफिसर को केवल नोटिस

शहडोल। दोपहर मेट्रो

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की बंगवार भूमिगत खदान में दो मजदूरों की दर्दनाक मौत के बाद प्रबंधन की हालिया कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। हादसे के बाद केवल छोटे अधिकारियों को निशाने पर लेकर कार्रवाई की जा रही है, जबकि उच्चाधिकारियों की जिम्मेदारी पर रहस्यमयी चुप्पी बनी हुई है। इस पूरी घटना में मुख्यालय द्वारा की गई इस कार्रवाई को अब ÷आंखों में धूल झोंकने÷ की कोशिश माना जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सुरक्षा तंत्र की इस भीषण विफलता के लिए क्या सिर्फ निचले स्तर के अधिकारी ही जिम्मेदार हैं या उत्पादन के भारी दबाव में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करवाने वाले वरिष्ठ अधिकारियों पर भी गाज गिरेगी, या ये मामला भी दबा दिया जाएगा। शहडोल संभागीय क्षेत्र की चर्चित अंडरग्राउंड कोल माइन में हुए दर्दनाक हादसे पर पर्दा डालने की कोशिशें तेज हो गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगवार खदान में गैस रिसाव के कारण दो मजदूरों की जान चली गई थी, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अब इस मामले में खदान प्रबंधक मनोज देवड़ा एवं वेंटिलेशन ऑफिसर अविनाश पांडेय को निलंबित किया गया है। वहीं खान सुरक्षा महानिदेशालय की निगरानी व्यवस्था और मानकों के लिए जिम्मेदार सेफ्टी अधिकारी को केवल कारण बताओ नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी की गई है। मजदूर संगठनों और क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था में इतनी बड़ी चूक के लिए सिर्फ खदान प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। सवाल यह भी है कि सेफ्टी ऑडिट, गैस मॉनिटरिंग और नियमित निरीक्षण के दावे करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही आखिर क्यों तय नहीं की जा रही। यदि गैस का स्तर खतरनाक था तो मजदूरों को कार्यस्थल पर भेजने की अनुमति किसने दी। सूत्रों के अनुसार कई बड़े अधिकारियों की भूमिका पर भी जांच की मांग उठ रही है। आरोप है कि उत्पादन लक्ष्य पूरा करने के दबाव में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। यदि ऐसा है तो केवल निचले स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई कर मामले को शांत करने की कोशिश क्यों की जा रही है?

मेट्रो एंकर | **सिवनी मालवा के 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाने का मामला**

गौसेवकों की कानूनी लड़ाई लड़ेगा राष्ट्रीय बजरंग दल

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

चार वर्ष पुराने चर्चित प्रकरण में 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद राष्ट्रीय बजरंग दल उनके समर्थन में खुलकर सामने आया है। संगठन ने घोषणा की है कि वह दोषी ठहराए गए सभी लोगों की ओर से उच्च न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ेगा और उन्हें हर संभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराएगा। राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी सिवनी मालवा स्थित तिवारी धर्मशाला पहुंचे, जहां उन्होंने सजा प्राप्त लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने परिवारों को भरोसा दिलाया कि वे इस मामले में उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे और न्याय दिलाने के लिए पूरी ताकत से प्रयास करेंगे। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत मंत्री जगवीर राजवंसी ने कहा कि संगठन इन सभी लोगों को गौसेवक मानता है और उनके पक्ष में कानूनी लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय एडवोकेट परिषद के सहयोग से अधिवक्ताओं की एक टीम

गठित की जाएगी, जो मामले के सभी पहलुओं का अध्ययन कर उच्च न्यायालय में अपील प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि संगठन की प्राथमिकता दोषियों की ओर से हाईकोर्ट में अपील दायर करना और उनकी जमानत के लिए कानूनी प्रयास करना है। अधिवक्ताओं की टीम न्यायालय के निर्णय का विस्तृत अध्ययन कर आवश्यक कानूनी बिंदुओं को अपील में शामिल करेगी। पदाधिकारियों ने कहा कि न्यायालय के फैसले के विरुद्ध संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत चुनौती दी जाएगी। उनका विश्वास है कि उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई के दौरान सभी तथ्यों और परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे संबंधित लोगों को राहत मिलने की संभावना बनेगी।

बैठक के दौरान संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक संगठन उनके साथ खड़ा रहेगा और हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगा। सिवनी मालवा की सामाजिक चेतना और एकजुटता का प्रेरक उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब गौसेवकों को न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास का निर्णय सुनाए जाने के बाद नगर के प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सर्व समाज के नागरिक उनके परिवारों के समर्थन में आगे आए। सभी गौ सेवक मजदूर वर्ग के हैं इसलिए बैठक में यह संकल्प लिया गया कि प्रभावित परिवारों को कानूनी सहायता, उच्च न्यायालय में अपील की प्रक्रिया, बच्चों की शिक्षा, परिवार जनों के स्वास्थ्य और उनकी दैनिक आवश्यकताओं में हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उपस्थित नागरिकों ने न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए संवैधानिक और वैधानिक मार्ग से न्याय प्राप्त करने के प्रयासों में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। यह पहल केवल सहायता का नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना, उत्तरदायित्व और एकता का प्रतीक है। संकट के समय समाज का साथ ही सबसे बड़ा संबल बनता है, और सिवनी मालवा ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि वह अपने लोगों को कठिन परिस्थितियों में अकेला नहीं छोड़ता।

विश्वकप की सबसे अमीर पत्नी-गर्लफ्रेंड्स की लिस्ट

बड़े ब्रांड्स के चलते फुटबॉलर्स से कम नहीं उनकी पार्टनर्स की कमाई

न्यूयार्क , एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 में मैदान पर फुटबॉलर्स का प्रदर्शन सुर्खियां बटोर रहा है, वहीं मैदान के बाहर उनकी पत्नियां और पार्टनर्स भी सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रभाव रखती हैं। इंस्टाग्राम पर करोड़ों फॉलोअर्स और बड़े ब्रांड्स के साथ साझेदारी के चलते ये पत्नी और गर्लफ्रेंड्स एक स्पॉन्सर्ड पोस्ट के लिए लाखों डॉलर कमाती हैं। इनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई पार्टनर्स की सोशल मीडिया कमाई कुछ पेशेवर खिलाड़ियों से भी ज्यादा है। आइए जानते हैं फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा ले रहे फुटबॉलर्स की सबसे अमीर पत्नी और गर्लफ्रेंड्स के बारे में।

फुटबॉलर्स की पार्टनर्स और उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स

पार्टनर	खिलाड़ी	फॉलोअर्स
जॉर्जिना रोड्रिगेज	क्रिस्टियानो रोनाल्डो	6.6 करोड़+
एंटोनेला रोकुजो	लियोनल मेसी	4.1 करोड़+
एस्टर एक्सपोसिटो	किलियन एमबाप्पे	2.5 करोड़+
मार्टिना (टिनी) स्टोएसेल	रोड्रिगो डी पॉल	2.1 करोड़+
ब्रूना बियांकार्डी	नेमार जूनियर	1.3 करोड़+
कैरोलिने लीमा	लियो परेरा	74 लाख+
वेलेंटिना सर्वांटेस	एंजो फर्नांडीज	45 लाख+
टेलर माहरेज	रियाद माहरेज	40 लाख+
डूडा फोर्नियर	लुकास पाक्वेटा	29 लाख+
मिक्की कीमेनेय	फ्रेंकी डी योंग	15 लाख+

पार्टनर्स और उनकी स्पॉन्सर्ड पोस्ट कमाई

नाम	कमाई (डॉलर)	भारतीय रु. में
जॉर्जिना रोड्रिगेज	7.16 लाख डॉलर	6.77 करोड़
एंटोनेला रोकुजो	3.91 लाख डॉलर	3.70 करोड़
एस्टर एक्सपोसिटो	2.40 लाख डॉलर	2.27 करोड़
मार्टिना (टिनी) स्टोएसेल	2.14 लाख डॉलर	2.02 करोड़
ब्रूना बियांकार्डी	1.50 लाख डॉलर	1.42 करोड़
कैरोलिने लीमा	57 हजार डॉलर	53.93 लाख
वेलेंटिना सर्वांटेस	33 हजार डॉलर	31.22 लाख
टेलर माहरेज़	30 हजार डॉलर	28.38 लाख
डूडा फोर्नियर	21 हजार डॉलर	19.87 लाख
मिक्की कीमेनेय	17 हजार डॉलर	16.08 लाख

जॉर्जिना रोड्रिगेजः लिस्ट में सबसे ऊपर| क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पार्टनर जॉर्जिना रोड्रिगेज इस सूची में पहले स्थान पर हैं। फैशन, लाइफस्टाइल और लक्जरी ब्रांड्स के साथ उनकी साझेदारी उन्हें इंस्टाग्राम की सबसे प्रभावशाली फुटबॉल ब्लूहय में शामिल करती है। एक स्पॉन्सर्ड पोस्ट के लिए वह 7.16 लाख डॉलर तक चार्ज करती हैं।

एंटोनेला रोकुजोः मेसी की पत्नी का बड़ा प्रभाव| लियोनल मेसी की पत्नी एंटोनेला रोकुजो दूसरे स्थान पर हैं। परिवार और फिटनेस से जुड़े कंटेंट के लिए मशहूर एंटोनेला सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं। एक ब्रांडेड पोस्ट के लिए उनकी फीस 3.91 लाख डॉलर बताई गई है।

एस्टर एक्सपोसिटोः अभिनेत्री और सोशल मीडिया स्टार| स्पेनिश अभिनेत्री एस्टर एक्सपोसिटो, जिन्हें किलियन एमबाप्पे की पार्टनर बताया जाता है, सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मनोरंजन जगत में उनकी लोकप्रियता उन्हें खेल जगत की सबसे चर्चित WAGs में शामिल करती है।

टिनी स्टोएसेलः अर्जेंटीना की पॉप स्टार रोड्रिगो डी पॉल की पार्टनर टिनी स्टोएसेल एक मशहूर गायिका और अभिनेत्री हैं। अर्जेंटीना में उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है, जिसका असर उनकी सोशल मीडिया कमाई पर भी दिखाई देता है।

ब्रूना बियांकार्डीः नेमार की पार्टनर| ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार की पार्टनर ब्रूना बियांकार्डी फैशन और लाइफस्टाइल इन्फ्लुएंसर हैं। वह प्रति स्पॉन्सर्ड पोस्ट लगभग 1.50 लाख डॉलर कमाती हैं।

कैरोलिने लीमाः ब्राजील की लोकप्रिय इन्फ्लुएंसर| लियोनार्डो परेरा की पार्टनर कैरोलिने लीमा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है।

वेलेंटिना सर्वांटेसः सबसे मजबूत एंगेजमेंट में शामिल| एंजो फर्नांडीज की पार्टनर वेलेंटिना सर्वांटेस की कमाई भले ही शीर्ष पांच में न हो, लेकिन फैंस के साथ उनकी बातचीत और जुड़ाव शानदार है।

टेलर माहरेजः इंग्लैंड की चर्चित मॉडल| रियाद माहरेज की पत्नी टेलर माहरेज मॉडलिंग और फैशन इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। उनकी लोकप्रियता उन्हें इस सूची में आठवें स्थान तक पहुंचाती है।

वैभव से खौफ खाए विरोधियों को मिला नया हथियार!

उकसाओ और जाल में फंसाओ...

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी के करियर में सोमवार का दिन शायद रन, रिकॉर्ड या शॉट्स के लिए याद नहीं रखा जाएगा। दांबुला में श्रीलंका ए के खिलाफ मैच के बाद जो कुछ हुआ, उसने पहली बार इस 15 वर्षीय सनसनी के सामने क्रिकेट से अलग एक नई चुनौती खड़ी कर दी।

अब तक विरोधी टीमों की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि वैभव को आउट कैसे किया जाए। उसकी आक्रामक बल्लेबाजी, बेखौफ अंदाज और उम्र से कहीं आगे दिखाई देने वाली परिपक्वता ने उसे खास बना दिया है। लेकिन दांबुला की घटना ने शायद विरोधियों को एक नया संकेत दे दिया है। अगर गेंद से दबाव नहीं बनाया जा सकता, तो क्या शब्दों से बनाया जा सकता है?

यही इस पूरे विवाद का सबसे अहम पहलू है- मैच का अंत नाटकीय रहा। मुकाबला टाई हुआ, सुपर ओवर हुआ और भारत ए को हार मिली। इसके बाद मैदान पर जो तनातनी हुई, उसने क्रिकेट से ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। यह कहना मुश्किल है कि किसने क्या कहा और किसकी गलती कितनी थी।।। लेकिन इतना साफ है कि वैभव भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए।

यहीं से कहानी दिलचस्प हो जाती है।।।- महान खिलाड़ियों के करियर में एक दौर ऐसा आता है, जब विरोधी उनकी तकनीक नहीं, उनकी मानसिक मजबूती को परखने लगते हैं। सचिन तेंदुलकर को स्लेजिंग झेलनी पड़ी, विराट कोहली ने अपने शुरुआती दिनों में कई बार आक्रामक प्रतिक्रियाएं दीं और फिर समय के साथ उस ऊर्जा को प्रदर्शन में बदलना सीखा। अंतरराष्ट्रीय खेल में यह एक आम रणनीति है- अगर खिलाड़ी का बल्ला नहीं रुक रहा, तो उसके दिमाग तक पहुंचो।

दांबुला में शायद पहली बार महसूस किया

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पहली बार नहीं हुआ. पिछले साल अंडर-19 एशिया कप में भी पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ उनका विवाद हुआ था.इसका मतलब यह नहीं कि वैभव अनुशासनहीन हैं. इसका मतलब सिर्फ इतना है कि वह अभी भी 15 साल के हैं, सीख रहे हैं और उसी प्रक्रिया से गुजर रहे हैं जिससे लगभग हर बड़ा खिलाड़ी कभी न कभी गुजरता है.

... लेकिन अब बदल चुकी हैं परिस्थितियां

वैभव अब सिर्फ एक प्रतिभाशाली किशोर नहीं हैं। वह भारतीय क्रिकेट का सबसे चर्चित युवा चेहरा हैं। उनके हर शॉट, हर प्रतिक्रिया और हर हावभाव पर कैमरे टिके रहते हैं। ऐसे में विरोधी टीमों को अगर यह महसूस होता है कि कुछ शब्द उनके धैर्य को प्रभावित कर सकते हैं, तो वे भविष्य में इस रास्ते का इस्तेमाल जरूर करेंगे। यही वजह है कि दांबुला की घटना को सिर्फ एक झगड़े के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसे एक चेतावनी और एक सीख के रूप में देखना चाहिए। अच्छी बात यह है कि वैभव ने अब तक अपने क्रिकेटिंग सफर में हर चुनौती से तेजी से सीखा है। बल्लेबाजी में उनकी प्रगति इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। इसलिए यह मानने की वजह कम है कि वह इस अनुभव से कुछ नहीं सीखेंगे। आखिरकार, महान खिलाड़ी सिर्फ इसलिए महान नहीं बनते कि वे रन बनाते हैं। वे इसलिए महान बनते हैं क्योंकि विरोधी उन्हें उकसाने की

यह आईपीएल नहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है, वैभव जी

इंडिया-ए और श्रीलंका-ए के बीच ट्राई सीरीज का मुकाबला चर्चा में है. 15 साल के युवा वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई प्लेयर्स से झड़प देखने को मिली थी।गौरतलब है कि इंडिया-ए टीम को विवादित मुकाबले में श्रीलंका ए से सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था ।वहीं हार के बाद मौजूदा आईपीएल के हीरो रहे 15 साल के युवा वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई प्लेयर्स से धक्कामुक्की देखने को मिली,जिसमें वैभव एक श्रीलंका के खिलाड़ी को धक्का मारते हुए साफतौर पर देखे गए।भले ही मामला जो भी रहा हो लेकिन वैभव का बर्ताव तो खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे वाला ही नजर आया। इसकी वजह शायद अंतरराष्ट्रीय स्तर के शुरुआती मैचों में उनके बल्ले की वह धूम धड़ाके का न होना रही हो,जिसकी आस लेकर वह श्रीलंका दौरे पर गये होंगे। आईपीएल के बाद उनके भविष्य को लेकर तरह तरह की बातों का निकलना भी इस तरह के व्यवहार की एक बड़ी वजह हो सकती है। मात्र 15 साल के युवा वैभव सूर्यवंशी ने मैदान में जो कुछ भी किया वह उनकी बचकानी हरकत भी कही जा सकती है।उनको शायद इस बात का एहसास ही नहीं कि यह बीसीसीआई के घरेलू आईपीएल नही है, यह तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का वह पहलू है जिसमें खिलाड़ी के खेल के साथ उसके मैदानी आचरण का असर भी देश की साख पर पड़ता है। मेरे नजरिए में अगर हम सिर्फ मैदान में हुए वाकये की बात करें तो भले ही खिलाड़ी का दोष नजर आ सकता है,लेकिन असल बात तो यह है कि टीम मैनेजमेंट भी काफी हद तक इसका जिम्मेदार है।क्या मैनेजमेंट का किरदार सिर्फ मैदान के अंदर होने वाले बल्ले और गेंद की रस्साकसी तक ही सीमित रहता है।किसी भी खिलाड़ी का फिर चाहे वह कोई युवा हीरो हो या फिर कितना ही धाकड़ खिलाड़ी क्यों न हो।उसका मैदान के अंदर वाले खेल और व्यवहार दोनों को निखारने की जिम्मेदारी तो मैनेजमेंट की ही रहती है।मतलब साफ है कि भले ही श्रीलंका के मैदान पर जो हुआ उस्की फटकार वैभव सूर्यवंशी को लगायी जा सकती है,लेकिन मेरा ऐसा मानना है कि हेड एवं बल्लेबाजी कोच ऋषिकेष कानिटकर के मार्गदर्शन में भी कुछ हद तक कमी नजर आती है।अगर हम हाल ही के कुछ साल पहले की बात करें तो फिर यह जिम्मेदारी राहुल द्रविड़ ने कई सालों तक बखूबी निभाई है।उनके मार्गदर्शन का ही नतीजा हम आज की वह टीम इंडिया देख रहे हैं जो खेल और खेल की मर्यादा का लिहाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करना बखूबी जानती व समझती है।यही वजह है 2015 से लेकर 2021 तक अंडर19 व इंडिया ए के दौरान उनके मार्गदर्शन में तैयार युवा खिलाड़ी मैदान में हुई बातों का जवाब अपने बल्ले या फिर धारदार गेंदबाजी से देने का गुर न सीख हो। सच तो यह है कि आज की टीम इंडिया में शायद ही कोई ऐसा खिलाड़ी होगा जिसने द्रविड़ से कुछ न कुछ हासिल न किया हो।अब अगर हम बात वैभव सूर्यवंशी या फिर किसी भी अन्य युवा खिलाड़ी की करें तो यही नजर आता है कि सभी युवा खिलाड़ियों की आक्रामकता की असल वजह आईपीएल में लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के साथ उनका आमना सामना व ड्रेसिंग रूम साझा करना भी एक वजह हो सकती है।युवा खिलाड़ियों के मन मे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कोई भय व खोफ न होना तो यही जताता है।खैर श्रीलंका के मैदान पर जो भी हुआ वह भले ही आया गया हो गया,लेकिन अगर वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोट को मैदान में लंबी पारी खेलनी है तो उनको इस हादसे से सबक लेते हुए बस यही बात जहन में रखनी होगी कि यह आईपीएल नहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है जिसमें कोई भी जवाब बल्ले से ही देना बड़े खिलाड़ियों की सबसे बड़ी निशानी रही है।मतलब साफ है कि वैभव जी मैदान के अंदर ही किसी भी बात का जवाब बल्ले से देने की आदत को शामिल करो।वैसे इस बात में कोई शक नही कि मात्र 15 साल की उम्र में उनके व्यवहार में जोश की कोई कमी नहीं होगी,लेकिन उनके व्यवहार और खेल के बीच की मानसिकता का संतुलन सही करना ही युवा टीम के हेड कोच की भी जिम्मेदारी है।श्रीलंका में खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज के बाद इंग्लैंड में वैभव टीम इंडिया के लिए खेलते नजर आयेंगे।ऐसे में वह जितनी जल्दी इस बात को समझ ले कि अब उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण हो गया है और उनको मैदान की किसी भी बात का जवाब धक्कामुक्की से नहीं सिर्फ बल्ले से ही देना है।अगर वाकई वह इस बात को समझ लेते है तो फिर उनके लिए इस हादसे का सबसे बड़ा सबक यही साबित होगा।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मुश्किल वक्त देखा है... बोलते हुए गोविंदा की बेटी के निकले आंसू, रो पड़ीं सुनीता

जीटीवी के शो मां है ना में सुनीता आहूजा और उनकी बेटी टीना ने धमाल मचाया हुआ है। मां-बेटी की ये जोड़ी शो में दर्शकों को खूब एंटरटेन कर रही है। शो का अपकमिंग एपिसोड इमोशनल होने वाला है। जहां हर किसी की आंखों में फैंस को आंसू देखने को मिलेंगे। क्योंकि ये मां स्पेशल एपिसोड होगा

शो में सभी बेटियों को अपनी मां के लिए एक खास लेटर लिखना है। मां के लिए अपने प्यार को बताना है। टीना ने भी सुनीता आहूजा के लिए प्यार भरा लेटर लिखा। इसे पढ़ने से पहले वो रोने लगती हैं। कैमरा पर मां के लिए अपने जज्बात बताना टीना के लिए मुश्किल था। टीना को रोता हुआ देखकर सुनीता भी रोने लगीं। मां-बेटी को यूं इमोशंस में बहता हुआ देखकर शिल्पा शेट्टी के भी आंसू नहीं रुके। वो भी कैमरा पर रोने लगीं।

मां से बेहद प्यार करती है टीना

टीना खत देखकर रोने लगती हैं। वो कहती हैं मुझसे ये नहीं होगा। फिर अपनी हिम्मत को जोड़ते हुए टीना ने कहा कि मैंने कभी रियलिटी शोज नहीं किए हैं। मां संग कम ही समय साथ में बिताया है। मुझे लगता है स्कूल के बाद शायद अब मैंने अपनी मां को लेटर लिखा है। वो खत पढ़ते हुए अपने प्यार का इजहार करती हैं। टीना ने कहा कि वो अपनी मां से बेशुमार प्यार करती हैं। मां ने जिस तरह बिना शर्त और बेहिसाब प्यार उनपर लुटाया है इसकी वो आभारी रहेंगी। टीना ने कहा- मुझे पता है पिछले कुछ सालों से वक्त सही नहीं चल रहा है। लेकिन फिर भी मेरा ध्यान रखने के लिए शुक्रिया। इसके बाद टीना और सुनीता गले मिलते हैं। सुनीता ने इमोशनल होते हुए कहा- आज मुझे मालूम पड़ा है कि मेरी बेटी मुझे बहुत प्यार करती हैं। मां-बेटी की ये बॉन्डिंग देखकर वहां पर मौजूद सभी लोग इमोशनल हो जाते हैं।

अभिनेत्री एलनाज ने गाने हुआ से किया सिंगिंग डेब्यू, जुबिनके साथ जुड़ा नया म्यूजिक सफर

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने हुआ के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया। एलनाज नोरौजी ने कहा, संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है। जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है।

गाने हुआ के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, ÷जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था। जब कोई सपना धीरे-धीरे सच होता है, तो उसकी खुशी शब्दों से ज्यादा महसूस की जाती है, और यह गाना मेरे लिए वही एहसास लेकर आया है।एलनाज ने आगे कहा, ÷भले ही मैं लंबे समय से अभिनय से जुड़ी रही हूं, लेकिन संगीत हमेशा मेरे अंदर कहीं न कहीं मौजूद था। जुबिन नौटियाल के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और सच्चाई होती है। वह हर गाने को बहुत ईमानदारी और भावनाओं के साथ गाते हैं।

मेट्रो बाजार

दुनिया के केंद्रीय बैंक अगले पांच वर्षों में बढ़ाएंगे अपना गोल्ड रिजर्व

नई दिल्ली। दुनिया के केंद्रीय बैंक अगले पांच गोल्ड रिजर्व में बढ़ाएंगे और इस दौरान कुल रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी में कमी देखने को मिलेगी। यह जानकारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी किए गए सर्वेक्षण में दी गई। डब्ल्यूजीसी के सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व सर्वे 2026 में बताया गया कि 2026 में 84 प्रतिशत केंद्रीय बैंकों का मानना है कि अगले पांच वर्षों में उनके कुल रिजर्व में गोल्ड की हिस्सेदारी बढ़ेगी। पिछले साल यह आंकड़ा 76 प्रतिशत पर था।

डब्ल्यूजीसी के इस सर्वेक्षण में दुनिया के 73 केंद्रीय बैंक शामिल हैं, जिसमें से 17 विकसित अर्थव्यवस्थाओं और 56 विकाशील अर्थव्यवस्थाओं से हैं। डब्ल्यूजीसी के सर्वेक्षण में 74 प्रतिशत उत्तदाताओं ने कहा कि अगले पांच वर्षों में डॉलर की हिस्सेदारी कुल रिजर्व में कम होगी। वहीं, 15 प्रतिशत ने कहा कि इसमें कोई बदलाव होगा। वहीं, 11 प्रतिशत ने कहा कि डॉलर की हिस्सेदारी रिजर्व में बढ़ेगी। हालांकि,उत्तदाताओं ने कहा कि डॉलर वैश्विक स्तर पर रिजर्व करेंसी बना रहेगा। सर्वेक्षण के मुताबिक, 89 प्रतिशत उत्तदाताओं का मानना है कि अगले 12 महीनों में वैश्विक केंद्रीय बैंक गोल्ड की हिस्सेदारी अपने रिजर्व में बढ़ाएंगे। वहीं, 11 प्रतिशत ने कहा कि इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। सर्वेक्षण में जब पूछा गया कि क्या उनका केंद्रीय बैंक अगले 12 महीनों में गोल्ड रिजर्व बढ़ाएगा तो 45 प्रतिशत ने इसका समर्थन किया। वहीं, 54 प्रतिशत ने कहा कि इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। एक प्रतिशत गिरावट के पक्ष में थे।

श्रीलंका बना अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का नया केंद्र, बड़े स्कैम सेंटरों का खुलासा

नई दिल्ली। श्रीलंका अब अंतरराष्ट्रीय टेलीकॉम धोखाधड़ी और %पिग-बुचेरिंग% निवेश घोटालों का एक बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। द्वीपीय देश में आर्थिक संकट और नियमों की कमजोर निगरानी के कारण संगठित साइबर अपराधियों के लिए यहां काम करना आसान हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार म्यांमार, कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में सक्रिय साइबर अपराधी नेटवर्क अब अपने ठिकाने श्रीलंका की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विदेशी निवेश या बाहर से आने वाले धन पर अपेक्षाकृत कम जांच-पड़ताल होती है। साल 2024 के मध्य से श्रीलंका पुलिस और क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की ओर से की गई कई छापेमार कार्रवाइयों में विदेशी नागरिकों की ओर से चलाए जा रहे बड़े-बड़े स्कैम सेंटर पकड़े गए हैं। इन अभियानों में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कैंडी, पनादुरा और नेगोम्बो में हुई बड़ी छापेमार कार्रवाइयों में उन लग्जरी होटलों और गेस्ट हाउसों को निशाना बनाया गया, जिन्हें कथित तौर पर स्कैम सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांचकर्ताओं ने सैकड़ों कंप्यूटर, मोबाइल फोन और सिम-बॉक्स डिवाइस जब्त किए। ये डिवाइस एक साथ सैकड़ों सिम कार्ड चलाकर हजारों फर्जी कॉल और संदेश भेजने में सक्षम थे। अप्रैल 2026 में अंबकंदविला के एक लग्जरी होटल से 150 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 133 चीनी नागरिक, 13 वियतनामी, एक मलेशियाई और अन्य लोग शामिल थे। इन स्कैम नेटवर्क के भर्ती करने वाले लोग सोशल मीडिया पर %ऑनलाइन मार्केटिंग% या %डेटा एंट्री% जैसी नौकरियों का विज्ञापन देकर लोगों को फंसाते हैं। नौकरी मिलने के बाद उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए जाते हैं और उन्हें जबरन धोखाधड़ी वाले अभियानों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है।

हिमालय का का बदलता मिजाज लबालब वेदनी कुंड अब सूखा

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली में समुद्रतल से 3,350 मीटर की ऊंचाई पर फैले वेदनी बुग्याल का वेदनी कुंड जलस्रोत नहीं, बल्कि हिमालय की आस्था, संस्कृति और प्रकृति का अनूठा संगम है। यह नंदा राजरात यात्रा का प्रमुख पड़ाव भी है, लेकिन हिमालय की तलहटी पर स्थित यह पवित्र कुंड जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। कभी वर्षभर भरा रहने वाला कुंड अब हर साल नवंबर से मई तक पूरी तरह सूख रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सर्दियों में चर्फबारी के कारण कुंड वर्षभर पानी से भरा रहता था। अब हालात बदल चुके हैं।

न्यूज विंडो

कोटा में राहुल गांधी के कार्यक्रम के पोस्टर हटा रहा प्रशासन: गहलोत

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि कोटा प्रशासन कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों के साथ प्रस्तावित इंटरैक्टिव प्रोग्राम से जुड़े होर्डिंग हटा रहा है। गहलोत ने दावा किया कि जब पिछली कांग्रेस सरकार के वक्त बीजेपी के प्रोग्राम के होर्डिंग लगाए जाते थे, तो प्रशासन सहयोग करता था, लेकिन अब बीजेपी सरकार गांधी के इवेंट से जुड़े प्रचार के सामान को हटा रही है। उन्होंने दावा किया कि यह कार्रवाई प्रोग्राम को लेकर सत्ताधारी बीजेपी की घबराहट को दिखाती है और इसे एक राजनीतिक साजिश बताया। गहलोत ने कहा, 'कोचिंग संस्थानों पर दबाव डाला गया है और छात्रों को इवेंट में शामिल होने से रोका जा रहा है।

मोहर्रम: हथियारों के प्रदर्शन, तेज आवाज वाले डीजे पर रोक: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी मोहर्रम को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मोहर्रम शोक और श्रद्धांजलि का अवसर है, न कि शक्ति प्रदर्शन का मंच। ऐसे में जुलूसों के दौरान किसी भी प्रकार के हथियारों के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था और त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धार्मिक संगठनों से संवाद बनाए रखें।

पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस को आज हरी झंडी दिखाएंगे रेल मंत्री

मुंबई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज पुणे के हड़पसर रेलवे स्टेशन से पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह महाराष्ट्र की 8वीं और पुणे डिवीजन की दूसरी अमृत भारत ट्रेन होगी, जो यात्रियों के सफर को आरामदायक बनाएगी। रेल मंत्रालय के मुताबिक, नई अमृत भारत एक्सप्रेस महाराष्ट्र को झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार से सीधा सस्ता और सुविधाजनक कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इस ट्रेन की शुरुआत से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र, नौकरी करने वाले युवाओं, प्रवासी मजदूरों, पुणे के सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीज और पटना के मेडिकल सेंटर्स जाने वाले यात्रियों को लाभ होगा। ट्रेन छोटे व्यापारियों के लिए भी उपयोगी साबित होगी।

यूबीटी के एमपी डगमगाए : उद्धव ने दिल्ली में सांसदों की बुलाई मीटिंग

संजय राउत बोले- सांसदों को 15-15 करोड़ रुपए का दिया गया है ऑफर

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 से 7 सांसदों के शिंदे गुट की शिवसेना में जाने की अटकलें तेज हैं। इस बीच पार्टी ने गुरुवार को दिल्ली में संसदीय समिति की बैठक बुलाई है। पार्टी ने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होने का निर्देश दिया है, जो सांसद बैठक में नहीं आएंगे, पार्टी उनके खिलाफ डिस्क्वालिफिकेशन की कार्रवाई कर सकती है। इससे पहले उद्धव गुट की शिवसेना ने 2022 में भी ऐसा ही व्हिप जारी किया था। तब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत की थी। बाद में विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई शुरू की गई थी। महाराष्ट्र की राजनीति में मौजूदा घटनाक्रम को 'ऑपरेशन टाइगर' नाम दिया गया है। अविभाजित शिवसेना का चुनाव चिह्न और प्रतीक 'बाघ' था, जिसे पार्टी संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने डिजाइन किया था।

दिल्ली पहुंचे यूबीटी सांसद, मनाने की कोशिश में जुटे उद्धव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्धव गुट के 6 से 7 सांसद मंगलवार देर रात दिल्ली पहुंच गए हैं। सभी आज लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर सकते हैं। इसके बाद उनके प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की संभावना है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी मंगलवार रात से दिल्ली में हैं। इधर, उद्धव और अन्य पार्टी लीडर्स अपने सांसदों से लगातार संपर्क करने और उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन बातचीत नहीं हो पा रही है।

कोई बेईमानी करेगा तो छोड़ेंगे नहीं जिसको जाना है इस्तीफा दे

शिवसेना (यूबीटी) में टूट की खबरों को लेकर पार्टी के प्रवक्ता संजय राउत ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि महाराष्ट्र में सांसदों की खरीद फरोख्त की गई। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिस किसी को जाना है वह इस्तीफा देकर जाए। उन्होंने कहा, 'कोई बेईमानी करेगा तो छोड़ेंगे नहीं। जिसको जाना है इस्तीफा दे और जाए। किसी ने साईबाबा की शपथ ली तो किसी ने मां की शपथ ली। जनता अब चुप नहीं बैठेगी। बागी सांसदों को छोड़ेंगे नहीं, शिवसेना हमारी मां है।'

कल 11 बजे बैठक

संजय राउत ने आगे कहा, 'ऑपरेशन टाइगर की चर्चा हो रही है। सांसदों को 15-15 करोड़ रुपए दिए गए हैं। कल 11 बजे संसदीय दल की बैठक है। अभी तक हम सभी साथ हैं और हम सबका अध्यक्ष एक है। बीजेपी शिवसेना को तोड़ने की कोशिश कर रही।' पीसी में अरविंद सावंत और अनिल देसाई भी मौजूद रहे।

टीएमसी छोड़ने वाले सांसद बागी नहीं, भगोड़े हैं: कीर्ति

कोलकाता, एजेंसी

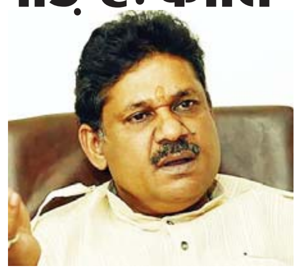

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद व 1983 क्रिकेट विश्व कप चैंपियन कीर्ति आजाद ने टीएमसी छोड़ने वाले सांसदों पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं। एक मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा...

सवाल: टीएमसी के बागी सांसदों ने जो स्टेप उठाया है उस पर आप क्या कहेंगे?

जवाब: बागी शब्द को बदनाम मत करिए। मेरे पिताजी और ऐसे हजारों, लाखों लोगों ने देश के लिए स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत की थी। वैसे लोग बागी थे। कुछ होते हैं भगोड़े, जो जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं। जो मुखबिर होते हैं। इनको बागी न कहें। जिनके कारण से जीते और सत्ता का उपयोग किया। जब क्राइसिस का वक्त आया तो सबसे पहले दुम दबाकर भागे।

सवाल: पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी जीती है, तो क्या चुनाव के बाद ममता बनर्जी के कद पर फर्क पड़ा है? या राष्ट्रीय स्तर पर कोई फर्क नहीं पड़ा है।

जवाब: एक बात समझने की जरूरत है कि विधायक या सांसद इनकी संख्या बहुत कम होती हैं, लेकिन कार्यकर्ता तो लाखों में होते हैं। विधायक या सांसद मिलकर एक पार्टी नहीं बनाती है। उसके कार्यकर्ताओं और जो संगठनात्मक रचना होती है उसके मुताबिक पार्टी बनती है। आप कार्यकर्ताओं की मेहनत से सांसद या विधायक बनते हैं। जनता आपको चुनती है और बताती है कि आप सत्ता में बैठेंगे या विपक्ष में। 2024 में टीएमसी सांसदों को विपक्ष में बैठने का मैंडेट मिला, लेकिन विधानसभा चुनाव में टीएमसी को हराया गया है। ऐसी परिस्थिति में जो पार्टी तोड़ने वाले लोग हैं वह विधानसभा में विपक्ष में बैठेंगे और लोकसभा में ये कहते हैं कि हम एनडीए को समर्थन करेंगे। इससे साफ पता चलता है कि ये लोग सत्ता के भूखे हैं। जिन्होंने कुछ भी भ्रष्टाचार किया होगा उससे ये डरे हैं। कुछ एक को डराया गया है उनके घरों को तोड़ा गया है। घर के लोगों को धमकाया गया है। सुदीप बंदोपाध्याय 2017 में जेल गए थे। शुभेंदु अधिकारी पर भी आरोप लगे थे, लेकिन उन्हें बीजेपी में जाना था और वहां वाशिंग मशीन से धुल गए।

हैदराबाद में डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर होगी सड़क, सीएम रेवंत रेड्डी करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

तेलंगाना सरकार अगले सप्ताह यहां एक सड़क का नाम बदलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने वाली है। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास स्थित 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' सड़क का उद्घाटन 23 जून को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा होने की उम्मीद है।

तेलंगाना सरकार ने पिछले साल दिसंबर में घोषणा की थी कि हैदराबाद में अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास के पास से गुजरने वाली एक सड़क का नाम 'डोनल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखा जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने हैदराबाद के बाहरी इलाकों को जोड़ने वाले प्रस्तावित 'रीजनल रिंग रोड' (आरआरआर) पर बनने वाली एक नई संपर्क सड़क का नाम दिवंगत

उद्योगपति रतन टाटा के सम्मान में रखने का फैसला किया है। सरकार ने यह भी कहा था कि गूगल और गूगल मैप्स के वैश्विक प्रभाव और योगदान को पहचान देने के लिए एक प्रमुख मार्ग का नाम 'गूगल स्ट्रीट' रखा जाएगा। वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हस्तियों और कंपनियों के नाम पर प्रमुख सड़कों का नामकरण करने का यह फैसला रेवंत रेड्डी सरकार की उस पहल का हिस्सा है।

प्रयागराज तिहरा हत्याकांड का खुलासा

गर्लफ्रेंड के घरवालों ने शादी के लिए मना किया तो मार डाला

प्रयागराज। प्रेमी ने शादी में बाधा बनने पर सोमवार देर रात प्रेमिका के ताऊ और दो ताइयों को लकड़ी के खूंटे से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। मंगलवार सुबह खून से लथपथ तीन शव मिलने पर ग्रामीणों में खलबली मच गई। पुलिस ने वारदात के 12 घंटे के अंदर प्रेमी, उसके भाई व दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। फरवरी 2026 में परिवार ने गांव निवासी युवक के खिलाफ भतीजी को भगा ले जाने की शिकायत पुलिस

चौकी में की थी। तब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। ग्राम प्रधान ने समझौता करा दिया था। अब लापरवाही के आरोप में चौकी के दारोगा रामविलास को निलंबित कर दिया गया है। ग्राम प्रधान को भी गिरफ्तार किया गया है। रात में हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का खूंटा बरामद करने के लिए पुलिस प्रेमी को लेकर परानीपुर रोड पर पहुंची तो उसने एक दारोगा की पिस्टल छीन ली और फायर करते हुए भागने लगा। पुलिस की आत्मरक्षार्थ फायरिंग में हिमांशु के एक पैर में गोली लग गई। उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने खुलासा किया है कि गर्लफ्रेंड के घरवालों ने शादी के लिए मना किया इस लिए घटना को अंजाम दिया है।

मेट्रो एंकर दुश्मनों के काल बनेंगे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा बनाए गए जहाज

भारतीय नौसेना में शामिल होंगे 3 नए युद्धपोत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना जून के तीसरे हफ्ते में कोलकाता में एक समारोह में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा बनाए गए तीन युद्धपोतों को कमीशन करने वाली है। इस कमीशन के बाद भारतीय नौसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा होने वाली है। इसके अलावा चीन और पाकिस्तान की भी टेंशन बढ़ने वाली है क्योंकि समुद्र में भारतीय नौसेना की निगरानी चप्पे-चप्पे पर बढ़ जाएगी।

इस कमीशन के तहत जिन तीन युद्धपोतों को कमीशन करने की योजना है, उनमें स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस अग्रय और सर्वे वेसल आईएनएस संशोधक शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समारोह में केंद्र सरकार के किसी बड़े अधिकारी के शामिल होने की उम्मीद है और संभावना है कि यह प्रधानमंत्री मोदी के कोलकाता दौरे के समय ही हो। इसे चीन की चालबाजी के खिलाफ नया मिशन माना जा रहा है।

चीन को जवाब देने की तैयारी

- हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीन की नौसेना की बढ़ती मौजूदगी के बीच, भारतीय नौसेना युद्धपोत खरीदने में तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में इन्हें शामिल किया जा रहा है।
- आईएनएस दूनागिरी, प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनने वाला पांचवां फ्रिगेट है और (जीआरएसई) में बनने वाला इस क्लास का दूसरा फ्रिगेट है।
- यह फ्रिगेट ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और क्लोज-इन वेपन सिस्टम से लैस है। इसे 'कंबाइंड डीजल या गैस प्रोपल्शन सिस्टम' से पावर मिलती है और इसमें 'इंटीग्रेटेड प्लेटफ़ॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम' लगा है।
- वहीं, इस युद्धपोत को 80 महीनों में तैयार करके सौंपा गया।

INS अग्रय में एडवांस्ड सिस्टम

- आईएनएस अग्रय, 2013 में मंजूर किए गए 16-शिप वाले 'अरनाला-क्लास एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' प्रोग्राम के तहत पांचवां जहाज है। तटीय इलाकों में ऑपरेशन के लिए तैयार इस जहाज में हल्के टॉरपीडो, देश में बने एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर और एडवांस्ड सोनार सिस्टम लगे हैं।
- यह प्लेटफॉर्म उथले तटीय इलाकों में पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें निशाना बनाने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। यह क्षमता इसलिए भी अहम है क्योंकि पाकिस्तान की नौसेना अपनी पनडुब्बी क्षमता को मजबूत करने पर लगातार ध्यान दे रही है, जिसमें 'हंगोर-क्लास' की पनडुब्बियों को शामिल करना भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट का अस्पतालों का अल्टीमेटम

रेप मर्डर मामला: आप मुआवजा देंगे या हम आदेश जारी करें

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के दो अस्पतालों से पूछा कि क्या वे रेप की शिकार एक नाबालिग लड़की के माता-पिता को अपनी मर्जी से मुआवजा देंगे या फिर मुआवजे की रकम तय होने का इंतजार करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की बनाई एसआईओ ने लड़की के पिता के आरोपों को सही पाया। पिता का आरोप था कि दो प्राइवेट अस्पतालों खजान सिंह मानवी हेल्थ केयर और सेंट जोसेफ हॉस्पिटल ने रेप की शिकार चार साल की बच्ची को तुरंत इलाज देने से मना कर दिया था, जबकि वह गंभीर रूप से घायल थी। सरकारी अस्पताल ले जाते समय

उसकी मौत हो गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की आंशिक कार्यदिवस पीठ ने कहा कि कुछ कार्रवाई की जानी आवश्यक है और अस्पताल के वकील को अगली सुनवाई की तारीख पर उपस्थित रहने को कहा। सुनवाई स्थगित करने से पहले, पीठ ने एक अस्पताल के वकील से पूछा कि वह मृतक बच्ची के माता-पिता को स्वेच्छा से कितना भुगतान करेगा?

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564